RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 158 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 23 मार्च 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

विधानसभा में छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी सुरक्षा विधेयक-2023 पारित

सीएम ने कहा-पत्रकारों के लिए ऐतिहासिक दिन, मिलेगी सुरक्षा व मान्यता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विधानसभा परिसर में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ विधानसभा और छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक दिन है, हमारे पत्रकार साथियों के लिए यह बहुत ही अविस्मरणीय दिन रहा है। क्योंकि आज छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी सुरक्षा विधेयक-2023 न केवल विधानसभा में प्रस्तुत हुआ, बल्कि पारित भी हुआ है।

हमारे पत्रकार साथी जो अपनी जान जोखिम में डालकर, अंदरूनी क्षेत्रों में जाकर खबर लाते हैं। बहुत सारे ऐसे लेख भी लिखते हैं, जिनसे उनको, उनके परिवार के लोगों को खतरा बढ़ जाता है। साथ ही धनहानि के साथ जनहानि की संभावना भी बन जाती है। ऐसे में जितने भी हमारे पत्रकार हैं, चाहे वे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के हों, चाहे प्रिंट मीडिया के हों, चाहे पोर्टल के हों। सभी साथियों के जो ऑफिस में काम करते हैं और वो भी जो गांव में काम करते हैं, जिनका अधिमान्यता पत्र नहीं है उनका रजिस्ट्रेशन करने का, अगर प्रेस कहता है कि वो हमारे साथ हैं और जो लगातार छह महीने के अंदर उसमें तीन लेख लिखे हों या स्टोरी की हो, ऐसे लोगों को छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी

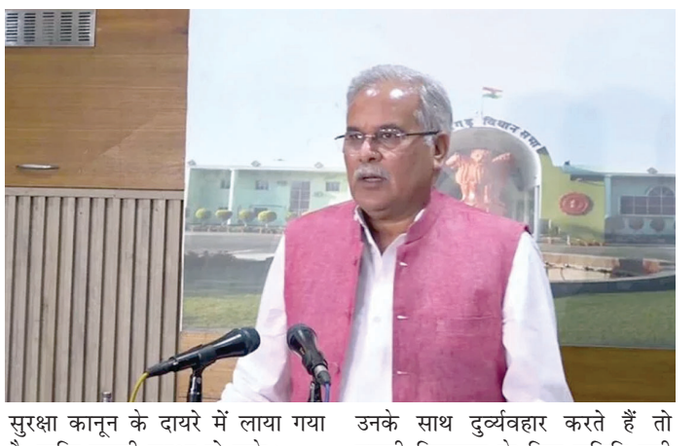

सुरक्षा कानून के दायरे में लाया गया है, ताकि उनकी सुरक्षा हो सके।

यदि कोई शासकीय कर्मचारी उनके साथ दुर्व्यवहार करते हैं तो उनकी शिकायत के लिए समिति बनी है। समिति को अधिकार संपन्न बनाया गया है। यह समिति प्रदेश स्तर पर होगी, जिसमें पत्रकार भी होंगे, उसमें अधिकारी गण भी होंगे, छह लोगों की समिति बनेगी, जो सुनवाई करेगी और आवश्यक निर्देश भी दे सकेगी और दण्ड का भी प्रावधान है। यदि उसके निर्णय से संतुष्ट नहीं हैं, तो अपील का भी प्रावधान रखा गया है। लेकिन यदि कोई गलत शिकायत करता है तो उसमें भी दण्ड का प्रावधान रखा गया है।

देश में छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी सुरक्षा विधेयक-2023 की चर्चा भी थी, प्रदेश में बहुत दिनों से इसकी प्रतीक्षा भी थी। छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य है, जहां छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी सुरक्षा विधेयक पारित किया गया है। उन्होंने कहा कि जन घोषणा पत्र में हमने जो वादा किया था, आज उसमें से एक और वायदा पूरा कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अफ्ताब आलम जी की अध्यक्षता में एक प्रारूप समिति बनी थी, जिसके सदस्य न्यायमूर्ति सेवानिवृत्त न्यायाधीश श्रीमती अंजना प्रकाश, उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता राजूराम चन्द्रन जी, वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय ललित सुरजन, प्रकाश दुबे, मेरे सलाहकार रूचिर गर्ग, महाधिवक्ता, विधि विभाग के प्रमुख सचिव, पुलिस महानिदेशक सभी इसके सदस्य थे। इस समिति ने अनेक बैठकें राज्य में और दिल्ली में करके विभिन्न संगठनों से चर्चा करके इसका प्रारूप बनाया और उसके बाद इसके प्रारूप को विभाग को सौंपा गया, विभाग द्वारा लंबा विचार-विमर्श करके इसको विधेयक का रूप दिया गया। राज्यपाल से अनुमति लेकर इसे विधानसभा में प्रस्तुत किया गया और आज विधानसभा में यह विधेयक पारित हुआ है। ऐसा विधेयक जो मूल विधेयक है और जो पहली बार छत्तीसगढ़ की विधानसभा में प्रस्तुत हुआ, विपक्ष के साथियों को भी इसमें अपनी राय रखनी थी। हालांकि सर्वानुमति से इस विधेयक को पारित किया गया।

खास-खबर

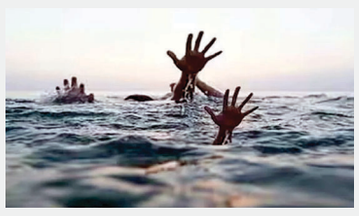

तालाब में डूबने से स्कूली बच्चों की मौत, चार घंटे बाद मिले शव, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर। राजधानी रायपुर से बड़ी घटना सामने आई है। यहां तालाब में डूबने से दो स्कूली बच्चों की मौत हो गई। बच्चे स्कूल में मध्यान्ह अवकाश के समय शौच करने तालाब पहुंचे थे इस दौरान वे नहाने उतर गए और तालाब में डूब गए। स्कूली बच्चों के तालाब में डूबने से अफरा-तफरी मच गई। करीब 4 घंटे की मशक्कत के बाद दोनों के शव बाहर निकाले जा सके। घटना मंदिर हसौद थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के अनुसार मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के तहत ग्राम तुलसी निवासी 6 वर्षीय गगन यादव और यश धीवर यहां के शासकीय स्कूल में पढ़ते हैं। बुधवार दोपहर को मध्यान भोजन अवकाश के दौरान टायलेट करने के बाद तालाब में शौच के लिए गए थे। इस दौरान बच्चे तालाब में उतर गए और वे डूब गए। इधर बच्चों के काफी देर तक नहीं लौटने से परिजनों ने पता तलाश शुरू की। इस बीच किसी ने बताया कि दोनों को तालाब के पास देखा गया था। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तालाब में गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू करवाई गई। करीब चार घंटे की तलाश के बाद बच्चों के शव बरामद किए गए।

राहुल गांधी को दो साल की सजा, छत्तीसगढ़ के सीएम बघेल बोले

राजनीतिक दिवालिएपन की शिकार है मोदी सरकार, हायर कोर्ट में करेंगे अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी को गुजराज के सूरत की सेशन कोर्ट द्वारा दो साल की सजा सुनाए जाने के बाद कांग्रेस के दिग्गज नेता मोदी सरकार पर वार कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी इस मामले में मोदी सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार राजनीतिक दिवालिएपन की शिकार हो गई है। कांग्रेस नेताओं को परेशान करने की पॉलिसी केन्द्र सरकार ने बना ली है। कभी ईडी और कभी आईटी के छापे मारे जा रहे हैं। इससे भी कुछ नहीं बिगड़ा तो व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने एक के बाद एक ट्वीट कर सेशन कोर्ट के फैसले के खिलाफ हायर कोर्ट में जाएंगे।

बता दें राहुल गांधी ने कर्नाटक के कोलार में 13 अप्रैल 2019 को चुनावी रैली में कहा था कि नीरव मोदी, ललित मोदी, नरेंद्र मोदी का सरनेम कॉमन क्यों है? सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है? राहुल के इस बयान को लेकर बीजेपी विधायक और पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि का केस दर्ज कराया था। गुजरात की सूरत कोर्ट ने चार साल पुराने इस मामले में गुरुवार को राहुल को दोषी ठहराया। इस मामले में कोर्ट ने राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई और उन्हें तुरंत 30 दिनों की बेल भी मिल गई। अब राहुल गांधी परमानेंट बेल के लिए अप्लाई कर सकते हैं। वहीं उनके वकील ने कहा कि वे हायर कोर्ट जाएंगे।

सीएम बघेल ने कहा तानाशाह के खिलाफ आवाज बुलंद

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा राहुल गांधी जी तानाशाह के खिलाफआवाज़ बुलंद कर रहे हैं। गलत को गलत कहने का साहस दिखा रहे हैं। इस साहस से तानाशाह घबराया हुआ है। कभी श्वष्ठ, कभी पुलिस, कभी केस, कभी सजा से डराने में जुटा है। राहुल गांधी जी इस मामले में न्यायसंगत अपील दायर करेंगे। हम लड़ेंगे और जीतेंगे। एक अन्य ट्वीट में कहां आसान होता है न्याय के लिए लड़ना हमारे पौराणिक ग्रंथ अन्याय पर न्याय की जीत का संदेश हैं, वही जीवनमार्ग है। सीएम बघेल ने कहा कि देश की आज़ादी का संघर्ष भी उसी जीवनमार्ग से गुजरा है। राहुल गांधी का जीवनमार्ग भी वही है. तानाशाह सामने हैं तो क्या? जो वंचित हैं वे सब तो साथ हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार राहुल गांधी और विपक्ष से तिलमिलाई हुई है क्योंकि हम उनके काले कारनामों को उजागर कर रहे हैं। जेपीसी की मांग कर रहे हैं। राजनैतिक दिवालियेपन की शिकार मोदी सरकार ईडी, पुलिस भेजती है। राजनैतिक भाषणों पर केस थोपती है। इसके खिलाफहम हायर कोर्ट में अपील करेंगे।

कोर्ट में राहुल ने कहा- मेरा इरादा गलत नहीं था

कोर्ट में राहुल गांधी ने कोर्ट में जज से कहा, मेरा इरादा गलत नहीं था। राहुल ने कोर्ट में कहा कि उन्होंने जो बोला, वो राजनेता के तौर पर बोला। उन्होंने कहा वे हमेशा देश में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते रहे हैं। सजा सुनाए जाने से पहले राहुल गांधी के वकील ने जज से अपील की कि उनके बयान से किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। ऐसे में इस मामले में कम से कम सजा सुनाई जाए। वहीं शिकायतकर्ता पूर्णेश मोदी ने इस मामले में राहुल गांधी को अधिकतम सजा और जुर्माना लगाने की मांग की थी। पुर्णेश मोदी का कहना है कि राहुल गांधी ने पूरे मोदी समुदास को गलत बताया है।

बड़ा हादसा, सगाई लौट रहे लोगों की पिकअप खाई में गिरी, 25 सवार घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में बुधवार रात को बड़ा हादसा हो गया है। यहां सगाई से लौट रहे लोगों से भरी तेज रफ्तार पिकअप खाई में गिर गई। हादसे 25 लोग घायल हो गए हैं जिनमें 9 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। रात को ही सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।

मिली जानकारी के अनुसार हादसा लोहारा थाना अंतर्गत घानीघूंटा घाट के पास हुआ है। तेज रफ्तार पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। बताया जा रहा है कि वाहन में बेमेतरा जिला के सिंघनपुरी निवासी गोड परिवार अपने बेटे की सगाई करने सराईपतेरा गांव गए हुए थे। सगाई समारोह खत्म होने के बाद अपने गांव लौट रहे थे। इस बीच हादसा हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही लोहारा पुलिस मौके पर पहुंची।

मौके पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को लोहारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। घायलों में 9 की हालत काफी गंभीर थी जिन्हें कवर्धा जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे की सूचना पुलिस को बुधवार रात को मिली थी और उसके बाद पुलिस ने तेजी से काम शुरू किया। पुलिस की तत्परता से सवारों की जान बच पाई है।

भाजपा में बड़े बदलाव, सीपी जोशी राजस्थान और सम्राट चौधरी बने बिहार प्रदेश अध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने आगामी चुनावों को देखते हुए संगठन में बड़े बदलाव किए हैं। राजस्थान से सांसद सीपी जोशी को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया है। विधान परिषद सदस्य सम्राट चौधरी को बिहार और मनमोहन सामल को ओडिशा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दिल्ली नगर निगम चुनावों में भाजपा की हार के बाद आदेश गुप्ता ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनकी जगह कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को पूर्णकालिक अध्यक्ष बना दिया गया है। बिहार के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए गए सम्राट चौधरी इस समय विधान परिषद के सदस्य हैं। वे सदन में नेता प्रतिपक्ष भी हैं। 2015 में भाजपा में आने से पहले लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल, नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड और जीतनराम मांझी की पार्टी 'हम' में भी रह चुके हैं। वे कुशवाहा समाज से आते हैं, यानी उनके प्रदेश अध्यक्ष बनने से नीतीश कुमार के कोइरी-कुशवाहा जाति के वोट बैंक में सेंध लग सकती है।

केन्द्रीय गृहमंत्री के दौरे से पहले दंतेवाड़ा में नक्सलियों का उत्पात, पोकलेन सहित तीन मशीनों में लगाई आग

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में नक्सलियों का उत्पात जारी है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे से पहले नक्सलियों ने यहां रेलवे दोहरीकरण कार्य में लगे पोकलेन व दो मशीनों में आग लगा दिया है। घटना दंतेवाड़ा के किरंदुल थाना क्षेत्र के पढापुर की यह घटना है। यही नहीं नक्सलियों ने बचेली नगरीय क्षेत्र में भी पुराना मार्केट के पास बैलाडीला ट्रक यूनियन की दस चक्का वाहन में भी आगजनी की। बताया जा रहा है कि नक्सली गृहमंत्री अमित शाह के दौरे का विरोध कर रहे हैं। बता दें पिछले कुछ दिनों से नक्सलियों द्वारा निर्माण कार्य में लगे वाहनों में आगजनी की जा रही है। दो दिन पहले बीजापुर में भी नक्सलियों ने निर्माण कार्य में लगे 10 वाहनों को जला दिया था। यहां पर सड़क निर्माण का कार्य चल रहा था। बुधवार राज को जहां पर नक्सलियों ने आगजनी की वहां पर पर्चे भी फेंके। पर्चे फेंक कर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे का विरोध किया है। यह पर्चा नक्सलियों के बस्तर सब जोनल ब्यूरो के द्वारा जारी किया गया है। इसे देखते हुए केन्द्रीय गृहमंत्री के बस्तर दौरे से पहले यहां की सुरक्षा और बढ़ा दी गई है।

नोटबंदी के छह साल बाद फिर छा गए नकली नोट

श्रीकंचनपथ

देश में नकली नोटों का बाजार फिर से फलने फूलने लगा है। इनमें 500, 200, 100 यहां तक कि 50 रुपए के नोट भी शामिल हैं। लगभग सभी राज्यों तक इनकी पहुंच बन चुकी है। सर्वाधिक मामले पश्चिम बंगाल और असम से सामने आए हैं। इसलिए आशंका जताई जा रही है कि इस बार नकली नोट बांग्लादेश बार्डर से भारत में भेजे जा रहे हैं। असम पुलिस ने फरवरी 2023 में 33 लाख रुपए के नकली नोटों की एक बड़ी खेप पकड़ी। छत्तीसगढ़ भी मार्च 2023 में इसमें शामिल हो गया। पुलिस ने यहां एक फल व्यवसायी को गिरफ्तार कर उससे 18500 रुपए मूल्य के नकली नोट बरामद किये हैं। उसने बताया कि ये नोट उसने बिहार जाकर एक युवक से 20 हजार रुपए के ऐवज में 50 हजार रुपए के नकली नोट प्राप्त किए थे। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो NCRB की अगस्त 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक नकली नोट के सर्वाधिक 82 मामले पश्चिम बंगाल में पकड़े गए। रिपोर्ट के मुताबिक असम, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में क्रमशः 75, 62, 55, 54 और 42 मामले दर्ज किए गए। साल 2021 में नकली नोटों के 639 मामले दर्ज किए गए। पश्चिम बंगाल की बात करें तो 2019 में 208 और 2020 में 109 मामले दर्ज किये गये। आंकड़ों में मामले घटते दिखाई देते हैं पर यह एक धोखा हो सकता है। दरअसल, नकली नोट इतनी सफाई से बनाए गए हैं कि नंगी आंखों से इन्हें ताड़ पाना मुश्किल है। ये नोट तभी पकड़ में आते हैं जब इन्हें मशीन में डाला जाता है। इसलिए हो सकता है नकली नोट चलाने वालों ने अब इनका उपयोग छोटे-छोटे भुगतान में करना शुरू कर दिया हो। नकली नोटों से त्रस्त भारत ने 8 नवम्बर 2016 की रात 500 और एक हजार रुपए के नोटों को चलन से बाहर कर दिया था। लोगों को तकलीफतो हुई थी पर देश की अर्थव्यवस्था को बचाने और आतंकी फंडिंग रोकने के लिए देश ने इसे बर्दाश्त किया था। इसके बाद अभी अर्थव्यवस्था संभली ही थी कि कोरोना वायरस ने दुनिया भर की आर्थिक गतिविधियों को ठप कर दिया। कोविड से निकलकर देश आगे बढ़ ही रहा था कि अब नकली नोटों ने फिर से अपने पांव पसार लिये हैं। नकली नोट और काला धन निकालने के लिए विमुद्रीकरण का पिछला अनुभव देश के लिए अच्छा नहीं रहा है। हमें नए रास्ते तलाशने होंगे। नोटों की जांच के रास्ते सुगम बनाने होंगे। यह सेवा निःशुल्क होनी चाहिए। इससे लोग प्राप्त नकद रकम की जांच स्वयं कर सकेंगे और उसका उपयोग कर नए झमेले में फंसने से भी बचे रहेंगे। नोट नकली पाए जाने पर वे स्वयं पुलिस में शिकायत कर सकेंगे तथा नोटों के स्रोत की जानकारी भी दे सकेंगे। इससे नकली नोट चलाने वालों के हौसले पस्त होंगे। नकद में रिश्वत लेने वालों को भी सावधान रहना चाहिए।

'डेयरडेविल्स' पहुंची दुर्ग: बुलेट से महिला कमांडो ने तय की 1800 किमी दूरी

सीआरपीएफ स्थापना दिवस में होंगी शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सीआरपीएफ की महिला बटालियन 'डेयरडेविल्स' बुलेट पर सवार होकर बुधवार को छत्तीसगढ़ के दुर्ग पहुंची। आजादी के अमृत महोत्सव पर इन महिला कमांडो ने 13 दिन में बुलेट से 1800 किमी का सफर तय किया है। यहां पहुंचने पर कमांडो का भव्य स्वागत किया गया। यह महिला कमांडो बस्तर में 25 मार्च को होने वाले सीआरपीएफ के स्थापना दिवस समारोह में हिस्सा लेंगी। इस समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में पहुंच रहे हैं। इसे देखते हुए सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम हैं।

सीआरपीएफ की यह महिला कमांडो 9 मार्च को नई दिल्ली स्थित इंडिया गेट से बुलेट पर रवाना हुई थीं। इन कमांडों रोजाना करीब 350 किलोमीटर का सफर तय किया है। आजादी के 75 साल पूरे होने पर बनाए जा रहे अमृत महोत्सव के चलते 75 महिला कमांडो इसमें शामिल हैं। उनके साथ टेक्निकल टीम और महिला डॉक्टर भी शामिल हैं। कमांडो ने कहा कि, यह महिला सशक्तिकरण के साथ आम जनता में देशभक्ति का जज्बा जगाने के लिए है। छत्तीसगढ़ में यह महिला कमांडो पहले भी आ चुकी हैं।

एयरपोर्ट और कैंप से पांच किमी ड्रोन प्रतिबंधित

केंद्रीय गृहमंत्री के प्रस्तावित बस्तर प्रवास को देखते हुए एयरपोर्ट और करनपुर सीआरपीएफकैंप से पांच किलोमीटर की परिधि में ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कलेक्टर चंदन कुमार ने इसको लेकर आदेश जारी कर दिया है। गृहमंत्री शाह 24 और 25 मार्च को प्रवास पर रहेंगे।

संपादकीय

न्याय और समता

सर्वोच्च न्यायालय के कुछ फैसले ऐसे होते हैं, जो व्यावहारिक रूप से व्यापक और अनुकरणीय होते हैं। एक ही मुकदमे में न्यायालय ने दो ऐसी टिप्पणियां की हैं, जिन्हें याद रखा जाएगा। पहली टिप्पणी का सार यह है कि अदालतों को लड़का-लड़की में भेद नहीं करना चाहिए। दूसरी टिप्पणी, किसी अपराधी को फांसी की सजा तभी सुनाई जाए, जब उसमें सुधार की कोई संभावना नहीं हो। देश के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति हिमा कोहली व न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा ने सात साल के एक बच्चे के अपहरण व हत्या के दोषी याचिकाकर्ता सुंदरराजन की मौत की सजा को कम करते हुए ये टिप्पणियां की हैं। दोषी सुंदरराजन ने जुलाई 2009 में पीड़ित का स्कूल से लौटते समय अपहरण कर लिया था। निचली अदालतों में दोष सिद्ध हो चुका था, फिर भी अपराधी ने बचने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में अपील की थी। अदालत ने दोषी की सजा कम की है, उसे फांसी से बचाया है, तो उसके पर्याप्त कारण भी गिनाए हैं। बहरहाल, बात पहले लिंगभेद की। यह बात गौर करने की है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इसी मामले में पहले लिंगभेद प्रेरित टिप्पणी की थी और अब सर्वोच्च न्यायालय ने ही सुधार की कोशिश की है। प्रधान न्यायाधीश के नेतृत्व वाली पीठ ने दोषसिद्धि के खिलाफ की गई अपील पर फैसला करते समय न्यायालय द्वारा पितृसत्तात्मक भाषा के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई है। अदालत ने पहले टिप्पणी करते हुए इशारा किया था कि फिरौती के लिए विशेष बच्चे के अपहरण का विकल्प सुनियोजित था। मृतक के माता-पिता के चार बच्चे थे - तीन बेटियां और एक बेटा। इकलौते बेटे का अपहरण उसके माता-पिता के मन में अधिकतम भय उत्पन्न करने के लिए था। जान-बूझकर इकलौते पुत्र की हत्या करना, मृतक के माता-पिता के लिए गंभीर परिणाम होता है, पुत्र होता, तो परिवार के वंश को आगे बढ़ाता। ऐसी भाषा पर प्रधान न्यायाधीश ने रोष जताया है, तो यह स्वागतयोग्य है। पितृसत्ता या लिंगभेद के लिए संविधान में भी कोई जगह नहीं है, फिर अदालती व्यवहार व भाषा में यह भेद तो अचंभित करता है। अदालती फैसलों के ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे, जिनमें लिंगभेद हावी दिखा है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा और सुखद टिप्पणी का असर सभी निचली अदालतों तक पहुंचे, तो भारत में समता और न्याय की बुनियाद मजबूत होगी। वाकई, अदालत के लिए यह मायने नहीं होना चाहिए कि कोई लड़का है या लड़की। अपराध सिर्फ अपराध है। पितृसत्तात्मक मूल्यों को व्यावहारिक रूप से अलविदा कहने का कार्य न्याय के मंदिरों में ही संपन्न होना चाहिए। अब बात अधिकतम सजा की। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी अपराधी को केवल अपराध की गंभीर प्रकृति के आधार पर मौत की सजा नहीं दी जा सकती। यह सजा तभी दी जाए, जब अपराधी में सुधार की कोई संभावना न हो। अदालतों को सुधार और पुनर्वास पर भी विचार करना चाहिए। इस मुकदमे में दोषी के सुधार की संभावना साफदिखती है। जेल में उसका आचरण सही है, उसने डिप्लोमा भी किया है, अपराध के वक्त उसकी उम्र 23 वर्ष थी, इसलिए यह दुर्लभतम मामला नहीं है। कुछ उदारता दिखाने के बावजूद अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि याचिकाकर्ता या दोषी 20 साल के कारावास को पूरा करने तक किसी भी प्रकार की रियायत का हकदार नहीं होगा। बेशक, समग्रता में ये फैसले मिसाल रहेंगे।

> अदालती फैसलों के ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे, जिनमें लिंगभेद हावी दिखा है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा और सुखद टिप्पणी का असर सभी निचली अदालतों तक पहुंचे, तो भारत में समता और न्याय की बुनियाद मजबूत होगी। वाकई, अदालत के लिए यह मायने नहीं होना चाहिए कि कोई लड़का है या लड़की। अपराध सिर्फ अपराध है।

अमृतपाल के रहस्य

उसके प्रभाव का असर यह है कि उसके समर्थकों ने लंदन में भारतीय उच्चायोग पर से भारत का झंडा उतार दिया। इसके पहले ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में भारत के मानद वाणिज्य दूतावास पर वे हंगामा कर चुके थे। खालिस्तान समर्थक नेता अमृतपाल सिंह का मामला आरंभ से रहस्यमय है। पिछले तीन दिन में जो हुआ है, उससे इस रहस्य में और वृद्धि ही हुई है। यह सवाल अहम है कि अमृतपाल सिंह जब रात भर अपने घर पर था, तभी उसे गिरफ्तार क्यों नहीं कर लिया गया? इसके बदले उसे अपने काफिले के साथ निकलने दिया गया और फिर पुलिस ने पीछा कर पकड़ने का नजारा पैदा करने की कोशिश की। इसी बीच वह अपनी कार और काफिले से गायब हो गया, क्या इसे रहस्यमय नहीं कहा जाएगा? वैसे ऐसे सवाल तो उसके दुबई से भारत आकर देखते-देखते एक प्रभावशाली शख्सियत के रूप में उभर जाने के पूरे घटनाक्रम पर रहे हैं। उसके प्रभाव का असर यह है कि उसके समर्थकों ने लंदन में भारतीय उच्चायोग पर से भारत का झंडा उतार दिया। इसके पहले ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में भारत के मानद वाणिज्य दूतावास पर वे हंगामा कर चुके थे। तो इस तरह अपने वारिस पंजाब दे संगठन का प्रमुख बताने वाला अमृतपाल सिख चरमपंथ का एक बड़ा चेहरा बनता जा रहा है। अब आशंका है कि अगर उसे गिरफ्तार करने में पंजाब पुलिस नाकाम रही या गिरफ्तार के बाद किसी कानूनी खामी का लाभ उठा कर वह रिहा होने में सफल रहा, तो उसको लेकर रहस्य और फैलेगा। इस बात के कोई संकेत नहीं हैं कि पंजाब सरकार ऐसे माहौल में अंतर्निहित खतरों से वाकिफ है। जिन खतरों के पीछे सांप्रदायिक और भावनात्मक पृष्ठभूमि हो, बेहतर यह होता है कि उनके उभरने की संभावना को ना पनपने दिया जाए। जबकि अमृतपाल तो अब पनप चुका है। बहरहाल, अभी वह ऐसी ताकत है, जिस पर काबू पाया जा सकता है। जबकि कुछ समय तक अगर उससे जुड़े रहस्य को यूं ही आगे बढ़ने दिया गया, तो फिर चुनौती बहुत बड़ी हो जाएगी। आखिर यह सारी कहानी उस राज्य में घट रही है, जहां चार दशक पहले इसी तरह एक खतरे को पनपने, बढ़ने और एक बड़ी चुनौती बन जाने दिया गया था। उस दुर्दनाक घटनाक्रम से क्या कोई सबक नहीं सीखा गया? फिलहाल, तो इस बारे में भरोसा करने का कोई मजबूत आधार नजर नहीं आता।

मंत्रिमंडल में फेरबदल की भी सिर्फ चर्चा हुई

ऐसा नहीं है कि सिर्फ भाजपा संगठन में यथास्थिति बनी हुई है। केंद्र और राज्यों की सरकारों में भी यथास्थिति कायम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दूसरी सरकार बनने के बाद सिर्फ एक बार कैबिनेट में फेरबदल की थी और उसके भी डेढ़ साल से ज्यादा हो गए। पहली और आखिरी बार जुलाई 2021 में बदलाव किया गया था। पिछले छह महीने से केंद्रीय कैबिनेट में फेरबदल की चर्चा है, लेकिन अब सरकार की चौथी सालगिरह आ गई और अभी तक बदलाव की कोई सूचना नहीं है। चुनावी राज्यों के कुछ नेताओं को केंद्र सरकार में जगह मिलने की चर्चा थी लेकिन अब सबकी उम्मीदें टूट रही हैं। कर्नाटक के नेता रह गए और अब मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना आदि के कुछ नेता उम्मीद लगाए हुए हैं। इसी तरह राज्यों में भी यथास्थिति बनी हुई है। कर्नाटक में छह महीने से ज्यादा समय तक इस बात की चर्चा रही कि आज या कल में कैबिनेट फेरबदल होगी। आर अशोक से लेकर रमेश जरकिहोली तक के मंत्री बनने की चर्चा होती रही और कैबिनेट में बदलाव नहीं हुआ। दसियों बार मुख्यमंत्री ने दिल्ली के चक्कर काटे। यह स्थिति मध्य प्रदेश की है। वहां भी पिछले कई महीनों से कैबिनेट में बदलाव की चर्चा चल रही है महाराष्ट्र में तो सरकार न्यूनतम क्षमता में काम कर रही। करीब आधे मंत्री पद खाली हैं और इंतजार हो रहा है कि मुंबई सहित बड़े शहरों में नगर निगम का चुनाव हो तो कैबिनेट का विस्तार किया जाए।

> **साल 2019 में गैर-एनडीए दलों का प्रदर्शन देखें, तो यूपीए की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस को 19.49 प्रतिशत वोट और 52 सीटें मिली थीं। फिर, द्रमुक को 2.34 प्रतिशत वोटों के साथ 24 सीटें हासिल हुईं। शिवसेना को वोट मिला 2.09 प्रतिशत और सीटें मिलीं 18। जद (यू) को 1.45 फीसदी वोट के साथ 16 सीटें मिलीं। एनसीपी को वोट तो 1.39 प्रतिशत मिला, पर पांच सीटें मिलीं।**

पहले कौन की पहेली में उलझा विपक्ष

विजय त्रिवेदी, वरिष्ठ पत्रकार

मशहूर शायर निदा फाजली का शेर है- दरिया हो या पहाड़ हो, टकराना चाहिए, जब तक न सांस टूटे, जिए जाना चाहिए। अपने राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई लड़ते गैर-भाजपा दलों को इस हौसले की शायद इस वक्त सबसे ज्यादा जरूरत है। विपक्षी दलों की एकता का मौसम आ गया है, यह मेला जुटता दिख भी रहा है, लेकिन एकजुटता फिर भी नहीं बन पा रही। यह स्थिति तब है, जब चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

साल 2019 के चुनावों का हिसाब-किताब देखें, तो कांग्रेस ने 421 सीटों पर उम्मीदवार उतारकर 52 सीटों पर जीत हासिल की थी, लेकिन 210 सीटों पर उसके उम्मीदवार दूसरे नंबर पर रहे थे और 148 पर उसके प्रत्याशी जमानत नहीं बचा पाए थे। अगर इसमें कांग्रेस बनाम भाजपा के सीधे मुकाबले की बात करें, तो कांग्रेस पूरी तरह फ्लॉप रही थी। जिन 192 सीटों पर सीधा मुकाबला रहा, उनमें से केवल 16 सीटों पर कांग्रेस को जीत मिल सकी थी, जबकि भाजपा के खाते में 176 सीटें गई थीं। मगर इसका दूसरा पक्ष देखें, तो तस्वीर ज्यादा साफ दिख सकती है। साल 2019 में भाजपा ने 303 सीटें हासिल कीं, पर उसे वोट 37 फीसदी मिले, यानी पिछली बार गैर-भाजपा दलों के पास 63 फीसदी वोट रहे थे।

कांग्रेस की जीती हुई सीटों में कुछ ऐसी हैं, जिन पर उसने उन पार्टियों को हराया था, जिनके साथ आज चलने की बात हो रही है। सबसे ज्यादा वाम दलों के 13 उम्मीदवारों को, तेलंगाना राष्ट्र समिति (अब भारत राष्ट्र समिति) के तीन प्रत्याशियों और जद (यू) को एक सीट पर कांग्रेस के हाथों हार मिली थी। इसके अलावा, जहां कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही, उनमें बीआरएस ने आठ, शिवसेना ने सात और जद (यू) ने पांच सीटों पर उसे हराया था।

साल 2019 में गैर-एनडीए दलों का प्रदर्शन देखें, तो यूपीए की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस को 19.49 प्रतिशत वोट और 52 सीटें मिली थीं। फिर, द्रमुक को 2.34 प्रतिशत वोटों के साथ 24 सीटें हासिल हुईं। शिवसेना को वोट मिला 2.09 प्रतिशत और सीटें मिलीं 18। जद (यू) को 1.45 फीसदी वोट के साथ 16 सीटें मिलीं। एनसीपी को वोट तो 1.39 प्रतिशत मिला, पर पांच सीटें मिलीं। अन्य छोटी पार्टियों को जोड़कर यूपीए के पास 30 फीसदी वोट और 110 सीटें थीं।

अब चर्चा गैर-भाजपा व गैर-कांग्रेस की बात कहने वाले दलों की। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को 4.06 फीसदी वोट के साथ 22 सीटें हासिल हुईं। फिर वाईएसआर कांग्रेस को 2.53 प्रतिशत वोट और 22 सीटें मिलीं। ओडिशा में नवीन पटनायक के बीजद को 1.66 प्रतिशत वोट के साथ 12 सीटों पर जीत हासिल हुई। उत्तर प्रदेश में बसपा को 3.62 प्रतिशत वोट और 10 सीटें मिलीं, यहां समाजवादी पार्टी को 2.55 प्रतिशत वोट और पांच सीटें मिल पाईं। तेलंगाना में बीआरएस को 1.25 प्रतिशत वोट और नौ सीटें हासिल हुईं। लेफ्ट को 2.73 प्रतिशत वोट के साथ तीन सीटें और तेलुगुदेशम को 2.04 प्रतिशत वोट और तीन सीटें मिलीं। एआईएमआईएम को वोट भले ही 0.2 प्रतिशत मिले, लेकिन सीट दो मिल गई, और आम आदमी पार्टी को 0.44 प्रतिशत वोट और एक सीट मिली थी।

इस तस्वीर का एक अन्य पक्ष भी है। अकेले किसी भी राजनीतिक दल का भाजपा से मुकाबला विपक्ष के लिए हारी हुई बाजी साबित हो सकता है। साल 2019 में 80 सीटें ऐसी थीं, जिन पर कांग्रेस का मुकाबला गैर-भाजपा दलों से हुआ। इनमें उसे 36 सीटों पर जीत मिली। वहीं, भाजपा की बात करें, तो उसने 437 उम्मीदवार मैदान में उतारे थे, जिनमें से 245 सीटों पर उसका मुकाबला गैर-कांग्रेसी दलों से हुआ और इनमें से उसने 137 सीटों पर जीत हासिल की। यहां भाजपा की 50 सीटों पर जमानत जब्त हो गई थी और देश के 11 राज्यों व दो केंद्रशासित क्षेत्रों में वह अपना खाता भी नहीं खोल पाई थी। यह सच है, भाजपा आज नंबर वन पार्टी है। लगातार दूसरी पारी के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं दिख रही, पर यह मानना कि वर्ष 2024 में बदलाव की कोई संभावना नहीं है, उचित नहीं होगा। अगर इतिहास पर नजर डालें, तो 1977 के चुनाव से पहले कांग्रेस के पास 352 सीटें थीं और इंदिरा गांधी जैसा मजबूत नेतृत्व था, मगर उस चुनाव में यह पार्टी महज 154 सीटों पर सिमट गई और दूसरे राजनीतिक दलों से मिलकर बनी जनता पार्टी को 295 सीटें हासिल हुई थीं। साल 1984 के तीस साल बाद केंद्र में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई, लेकिन यहां याद कर लेना उचित रहेगा कि जब कांग्रेस को इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 414 सीटें मिलीं और युवा राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने, तब भाजपा को सिर्फ दो सीटें मिल पाई थीं, लेकिन लोकप्रिय प्रधानमंत्री राजीव गांधी की अगुवाई में कांग्रेस अगले चुनाव, यानी 1989 में 197 सीटों पर सिमट गई और तब जनता दल ने 143 सीटों के बावजूद न केवल सरकार बनाई, बल्कि उसके नेता विश्वनाथ प्रताप सिंह प्रधानमंत्री बने और दो विपरीत ध्रुव वाले दल भारतीय जनता पार्टी व वाम पार्टियों ने उनका साथ दिया। यानी सिर्फ चुनाव से पहले की एकजुटता के भरोसे अगली सरकार की संभावनाओं का हिसाब-किताब नहीं लगाया जा सकता।

साल 2019 के चुनाव में विपक्षी एकता का पूरी तरह अभाव था और भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद विपक्षी एकता का सपना ही टूट गया। इस बार विपक्षी दल विचारधारा के तौर पर भले ही एक साथ नहीं हो पा रहे हैं, लेकिन केंद्रीय जांच एजेंसियों की पकड़ में आते विपक्षी नेताओं के डर ने उनको साथ आने पर मजबूर कर दिया है। उन्हें डर सता रहा है कि अगली बार भी यदि मोदी सरकार बनी, तो उनके लिए अस्तित्व बनाए रखना कठिन हो जाएगा। मगर विपक्षी एकता को लेकर 'पहले कौन आगे बढ़े' की पहेली भी चल रही है। राजद का कहना है कि कांग्रेस ज्यादा से ज्यादा 200 सीटों पर चुनाव लड़े और करीब 350 सीटें क्षेत्रीय दलों के लिए छोड़ दे। जद (यू) के नेता कह रहे हैं कि छोटे दिल से बड़ा काम नहीं होता, तो भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का मानना है कि सिर्फ छत्तीसगढ़ और राजस्थान से ही दिल्ली की कुरसी नहीं मिल सकती। जाहिर है, लड़ाई लंबी है और मुश्किल भी। ऐसे वक्त में अटल बिहारी वाजपेयी की कविता को याद करके आगे बढ़ें, तो शायद रास्ता बन सकता है- हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा...।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भगत सिंह की शहादत आज भी भुलाए नहीं भूलती

के सी त्यागी, पूर्व सांसद

विगत दिनों राजधानी स्थित प्रगति मैदान में आयोजित पुस्तक मेला में सरदार भगत सिंह की जेल डायरी की मूल प्रतिलिपि का प्रदर्शन किया गया। इन पन्नों के अध्ययन के बाद उनके जीवन और विचारों का गहराई से विश्लेषण किया जाए, तो हम पाते हैं कि उन्होंने देश के इतिहास, परिस्थितियों व आदर्शों के गंभीर, परिश्रमी एवं ईमानदार विद्यार्थी के रूप में इतिहास के वैज्ञानिक सिद्धांतों की समझ साझा की है। एक गहरी ऐतिहासिक भौतिकतावादी दृष्टि उनमें हर जगह काम करती नजर आती है। शहीद भगत सिंह न सिर्फ वीरता, साहस, देशभक्ति, दृढ़ता और आत्म बलिदान के गुणों के सर्वोत्तम उदाहरण हैं, वरन वे अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्टता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सामाजिक समस्याओं के विश्लेषण की क्षमता वाले अद्भुत बौद्धिक क्रांतिकारी व्यक्तित्व के प्रतिरूप भी थे।

भगत सिंह ने अपने समय के राष्ट्रीय आंदोलन पर जो आलोचनात्मक और समता मूलक टिप्पणियां की थीं, अपने देशकाल की जमीन पर खड़े होकर उन्होंने भविष्य की संभावनाओं के बारे में जो आकलन प्रस्तुत किए थे, वह बहुत कारगर थे। उन्होंने जो नई परियोजना प्रस्तुत की थी, उसका आज के संकटपूर्ण समय में बहुत महत्व है।

भगत सिंह के समय के भारत से आज का भारत काफी बदल चुका है। उत्पादन प्रणाली से लेकर राजनीतिक व्यवस्था, सामाजिक संबंध और संस्कृति के स्तर पर चीजें काफी बदल चुकी हैं। शोषण-उत्पीड़न आज भी मौजूद है, पर औपनिवेशक शासन के दौर से इसका स्वरूप काफी बदल चुका है। फांसी से तीन दिन पूर्व गवर्नर को लिखा उनका पत्र व्यावहारिकता भी दर्शाता है कि यह संघर्ष तब तक चलता रहेगा, जब तक कि शक्तिशाली व्यक्ति भारतीय जनता और श्रमिकों की आय के साधनों पर अपना

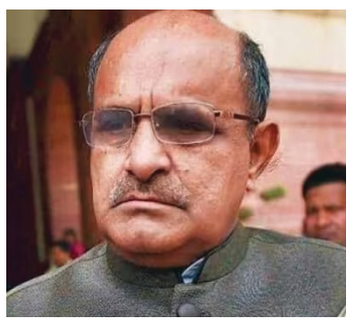

एकाधिकार जमाए रखेंगे। चाहे ऐसे व्यक्ति अंग्रेज पूंजीपति, अंग्रेज शासक अथवा सर्वथा भारतीय ही हों। भगत सिंह एवं साथियों का स्पष्ट दृष्टिकोण था कि यदि देशी शोषक भी किसान मजदूरों का शोषण करते रहेंगे, तो हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

'हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी' नाम से बनाया गया संगठन इनके विचारों की सही अभिव्यक्ति करता है। भगत सिंह और उनके साथियों की क्रांतिकारी समझ सन् 1917 की रूसी क्रांति से प्रभावित थी, पर इस विचार के पीछे गदर पार्टी के निकट अतीत की भूमिका भी महत्वपूर्ण थी। गदर पार्टी वह पहली क्रांतिकारी पार्टी थी, जिसने किसानों और मजदूरों की भूमिका प्रमुख होने की घोषणा की थी। भगत सिंह, भगवती चरण वोहरा द्वारा 1928 में 'नौजवान भारत' का गठन किया गया, जिसके घोषणापत्र में क्रांति द्वारा समाजवादी समाज की संरचना का संकल्प लिया गया, लेकिन उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि क्रांति के लिए खूनी लड़ाइयां अनिवार्य नहीं हैं और न ही उसमें व्यक्तिगत प्रतिहिंसा के लिए कोई स्थान है। यह बम और पिस्तौल का संप्रदाय नहीं है। क्रांति से हमारा अभिप्राय अन्याय पर आधारित मौजूदा समाज व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन करना है।

भगत सिंह ने हाईकोर्ट में अपने बचाव के लिए किसी भी प्रकार की बाहरी मदद से इनकार कर दिया था। वह अपने विचार सबके सामने प्रस्तुत करना चाहते थे। उनकी बहस के दौरान कक्ष खचाखच भरा होता था, जिसमें वकील, बुद्धिजीवी, प्रोफेसर, डॉक्टर आदि की बड़ी संख्या होती थी। अदालत द्वारा फांसी की सजा सुनाए जाने के निर्णय पर उनकी प्रतिक्रिया थी- देशभक्ति के लिए यह सर्वोच्च पुरस्कार है और मुझे गर्व है कि मैं यह पुरस्कार पाने जा रहा हूं। वे सोचते हैं, मेरे पार्थिव शरीर को नष्ट करके वे इस देश में सुरक्षित रह जाएंगे, यह उनकी भूल है। वे मुझे मार सकते हैं, लेकिन मेरे विचारों को नहीं।

23 मार्च 1931 को उन्हें साथियों के साथ फांसी पर लटकाया गया, पर इस शहादत से देश भर में राष्ट्रवाद का मानो ज्वार आ गया। जगह-जगह प्रदर्शन, जुलूस, सभा आयोजित की गई। कांग्रेस के कराची अधिवेशन (26-31 मार्च 1931) में भी इसकी गूंज हुई। जनाक्रोश के सामने नतमस्तक होकर कांग्रेस को भी संपूर्ण आजादी का प्रस्ताव पारित करना पड़ा था।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

इंसान व जानवर के बीच प्यार-दोस्ती की तलाश

क्षमा शर्मा

जब हाथी के बच्चे रघु और उसके पालनकर्ता बोमन व बैल्ली तथा इस डाक्यूमेंट्री को सबसे अच्छी डाक्यूमेंट्री फिल्म पर ऑस्कर पुरस्कार मिलने की खबर पढ़ी तो सहसा ही अनेक वे बातें याद आने लगीं जो देखी, पढ़ी, सुनी और खुद अनुभव की हैं। हालांकि, बोमन और बैल्ली को ऑस्कर के बारे में कुछ पता नहीं है। लेकिन वे इस बात पर खुश भी हैं कि फिल्म बनाने वालों की मेहनत सफल हुई। उनका कहना है कि जंगल में उनका जीवन अनाथ हाथियों को पालते ही बीता है। अक्सर हाथी बिजली के करंट से मर जाते हैं। ऐसे में यदि कोई हाथी का बच्चा अनाथ हो गया तो उसकी जिम्मेदारी किसी परिवार को सौंप दी जाती है। बोमन और बैल्ली का परिवार ऐसा ही है।

पिछले दिनों एलिफेंट विस्परर्स की तरह का ही एक विदेशी वीडियो देखा था। जिसमें एक स्त्री ने हाथी के बच्चे को बचाया था। वह उसके घर में ही रहता है। महिला रसोई में हो तो रसोई में खड़ा रहता है। सोफे पर बैठे तो सोफे पर उसके साथ बैठना चाहता है। अब बेचारा सोफा उसका वजन कहां तक संभाले।

देहरादून के अख्तर इमाम ने अपनी पांच करोड़ की सम्पत्ति हाथियों के नाम कर दी थी। उनका कहना था कि हाथियों की देखभाल करने वाला कोई नहीं है। जंगल खत्म हो रहे हैं। वे शहरों की तरफ आते हैं और किसी न किसी कारण बुरी तरह से घायल हो जाते हैं या मारे जाते हैं। अख्तर अब इस दुनिया में नहीं हैं, मगर उनकी बात कितनी सही है। आज भी सैकड़ों की संख्या में हाथी बिजली के करंट लगने से मर जाते हैं। एलिफेंट विस्परर्स के शिशु हाथी रघु के माता-पिता भी इसी तरह मारे गए थे।

एक तेज़ आवाज़ सुनाई दे रही है-मम्मी... मम्मी। फिर दूर से आवाज़ आती है- आ रही हूं बेटा। खाना तो बना लूं। मम्मी-मम्मी पुकारने वाला कोई बच्चा नहीं लाल, पीले रंग का एक बड़ा तोता है। यह पीढ़े पर बैठकर आवाज़ लगा रहा है। एक अन्य वीडियो में एक लड़की अपनी मां से बात कर रही है। वह कह रही है कि आपके जाने से गुड्डू बहुत उदास है। उससे बातें कर लो। तब मोबाइल स्क्रीन से आवाज़ उभरती है- गुड्डू बेटा क्या हाल है। यह एक कुत्ता है। पहले तो वह गर्दन इधर-उधर हिलाकर आवाज़ की दिशा को पकड़ने का प्रयास करता है। फिर समझ में आते ही मुंह ऊपर उठाकर जोर-जोर से रोने लगता है।

मनुष्य और पशु-पक्षियों की दोस्ती शायद उतनी ही पुरानी है, जितनी कि सृष्टि। अपने घोड़े, हाथियों, गायों, बकरियों, कुत्तों, तोतों, बंदरों, भालुओं आदि को लोग जब घर में पालते हैं तो वे घर के सदस्य हो जाते हैं। पेटा जैसी संस्थाएं इस बात की शिनाख्त कभी करती ही नहीं हैं। वे जानवर पालने को उन पर अत्याचार बताती हैं। जबकि बहुत-सी घटनाओं में

यदि पालतू जानवर को उसके मालिक से अलग कर दिया जाए तो वह खाना-पीना तक छोड़ देते हैं। कई बार तो उनकी मृत्यु तक हो जाती है।

बहुत से लोग मांसाहारी जानवरों को पालने का शौक भी रखते हैं। इस संदर्भ में मशहूर लेखक रस्किन बान्ड की एक अखबार में छपी कथा याद आ रही है। उन्होंने लिखा था कि उनके दादा जी को एक शिशु बाघ जंगल में मिला था। वह उसे घर ले आए। वहीं पलने लगा। दादा जी से उसकी दोस्ती भी बहुत थी। जब थोड़ा बड़ा हुआ तो उनके साथ घूमने जाने लगा। धीरे-धीरे उसमें शिकार की प्रवृत्ति उभरने लगी। अब रास्ते में कोई भी जानवर दिखता तो वह उस पर हमला बोलने की कोशिश करता। जो लोग अपने कुत्तों को घुमाते थे, वे डरने लगे। इससे रस्किन बान्ड जी के दादा जी को चिंता हुई। अभी तो जानवरों पर हमला बोल रहा है, हो सकता है कल किसी आदमी पर ही बोल दे। इसलिए एक दिन वह उसे लखनऊ चिड़ियाघर में छोड़ आए, पर उसकी याद हमेशा आती। अगले साल उनका लखनऊ जाना हुआ तो वह बाघ के पिंजरे के पास पहुंचे। और हाथ डालकर उसकी गर्दन सहलाने लगे। वह उनका हाथ चाटने लगा। तभी बाघ की देखभाल करने वाला आ पहुंचा। वह बोला- साहब, यह आप वाला बाघ नहीं है। वह तो पिछले साल मलेरिया से मर गया। अब चौंकने की बारी दादा जी की थी। उन्होंने तत्काल हाथ बाहर निकाला। घबराहट भी हो ही रही होगी।

ऐसे किस्से हमारे जनजीवन में बहुतायत से मिलते हैं, जिनमें किसी न किसी पशु-पक्षी से मनुष्य की दोस्ती का कथन होता है। चकित करने वाले किस्से होते हैं। लोक कथाओं, लोकगीतों में इनकी भरमार है। विदेश में एक आदमी एक बार नदी के किनारे टहल रहा था। वहां उसे एक घायल मगरमच्छ मिला। वह उसे घर ले आया। वहां उसने उसका इलाज किया। इतने दिनों तक वह इस आदमी के घर में ही रहा। जब वह पूरी तरह से स्वस्थ हो गया तो यह आदमी उसे नदी में ही छोड़ आया। लेकिन आश्चर्य कि अगले दिन जब इस आदमी ने अपने घर का दरवाजा खोला तो मगरमच्छ वरांडे में सो रहा था।

छत्तीसगढ़ में एक महिला ने रामश्री नाम की मैना पाल रखी थी। महिला अपने खेतों पर काम करने जाती थी। जब उसके घर में कोई मेहमान आता तो मैना उड़कर महिला को सूचना देने जाती थी।

बहुत साल पहले ग्रेटर कैलाश भाग एक के बस स्टैंड पर एक ढाबा था। वहां के मालिक ने एक मैना और एक तोता पाले हुए थे। जब भी कोई ग्राहक आता तो तोता पूछता- रोटी-सोटी खाओगे। फिर मैना कहती लो जी। खा भी लो। वह बसों के हार्न की आवाज़ भी निकालती।

इस लेखिका के जीवन में जानवरों के बहुत से प्रसंग जुड़े हैं। गांव के जीवन में वैसे भी ऐसे प्रसंगों की भरमार होती है। बचपन में मां जब खेत पर काम करने जाती थी तो खेत की मेंड़ पर लिटा देती थी। तब घर का पालतू कुत्ता शेरा भी साथ जाता था। वह अपना पंजा ऊपर रखकर तब तक बैठा रहता था, जब तक कि मां वापस नहीं आ जाती थी। आखिर उसे कैसे पता था कि मां बच्ची को उसके हवाले कर गई है। और जब तक वह नहीं लौटती, बच्ची की रक्षा करना उसका फर्ज है। यह किस्सा मां बार-बार सुनाती थी। कई बार मालिक की रक्षा करने में जानवर अपनी जान तक गंवा देते हैं। ऐसे किस्से अक्सर छपते रहते हैं। कई बार लगता है कि इस धरती पर मनुष्य से इतर जितने भी प्रकार का जीवन है, उनका उतना ही अधिकार है। मगर मनुष्य ने सब कुछ अपने कब्जे में कर रखा है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

सुख-शांति और खुशहाली के लिए विधायक ने मंदिरों में प्रज्वलित किए मनोकामना ज्योति कलश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नवरात्र के पावन अवसर माता के मंदिरों में मनोकामना ज्योति कलश प्रज्जवलित किया जाता है। लोग अपनी मनोकामनाओं को लेकर माता के दरबार में ज्योति कलश स्थापना कर 9 दिन आराधना करते हैं। ताकि माता उनकी मनोकमनाओं को पूरा करें।

इसी कड़ी में इस चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने भिलाईवासियों की सुख-शांति, खुशहाली और समृद्धि के लिए मनोकामना ज्योति कलश प्रज्जवलित करवाएं हैं। किसी एक मंदिर में नहीं बल्की भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र में जितनी भी मंदिर है, जहां ज्योतिकलश प्रज्जवलित की गई है। उन सभी मंदिरों में उन्होंने ज्योति कलश प्रज्वलित कराएं हैं।

आज चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर विधायक यादव ने अपने दिन की शुरूआत माता की आराधना से की। सुबह वे तैयार होकर वार्ड 51 शहीद वीर नारायण सिंह नगर में माता शीतला के मंदिर पहुंचे। जहां उन्होंने माता शीतला के दर्शन किए। विधि विधान के साथ माता की पूजा अर्चना की, पुष्प, माला

अर्पित किए। पूजा अर्चना के साथ ही मंदिर में ज्योति कलश प्रज्जवलित की गई। इस दौरान वे मंदिर के पुजारियों के साथ उपस्थित रहे और ज्योत जवारा को प्रणाम किया।

ज्योति कलश भवन का लोकार्पण

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने वार्ड 51 शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड में नवरात्र के पावन अवसर पर मनोकामना ज्योति कलश भवन का लोकार्पण किया। वार्डवासियों, मंदिर के पुजारियों के साथ विधायक यादव ने विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर भवन का लोकार्पण किया। इसके लिए वार्डवासियों, पुजारी और मंदिर समिति के सम्मानित पदाधिकारियों ने विधायक यादव का दिल से आभार जताया। उन्होंने कहा कि कुछ माह पहले जब वे लोगों से भेंट मुलाकात करने आए थे।

तब उनसे मनोकामना ज्योतिकलश भवन की मांग की गई थी। मांग के अनुसार उन्होंने घोषणा की और वादा किया था कि नवरात्र तक भवन बन कर तैयार हो जाएगा। वादे के मुताबिक भवन बनकर तैयार हो गया और आज नवरात्रि में लोकार्पण के साथ नए भवन में ज्योति कलश भी प्रज्जवलित किया गया है। सिर्फ यही नहीं विधायक की पहल से ही वार्ड 38 में भी मनोकामना ज्योतिकलश बनाया जा रहा है।

खास खबर

अवैध निर्माण पर भिलाई निगम ने की कार्रवाई

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत बिना अनुमति के अवैध रूप से निर्माण सुंदर नगर में किया जा रहा था। भिलाई निगम ने अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई प्रारंभ की। इससे पूर्व तीन बार नोटिस जारी किया गया था। फिर भी नोटिस का जवाब नहीं मिला और जो मिला वह संतोषप्रद नहीं था। दरअसल सुंदर नगर के एक भवन में तीसरी मंजिल तथा चौथी मंजिल में बिना अनुमति के निर्माण की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत को लेकर मौका मुआयना किया गया तथा नोटिस जारी कर दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा गया परंतु फिर भी भवन मालिक के द्वारा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। जिसको लेकर नगर पालिक निगम भिलाई के सहायक राजस्व अधिकारी जगदीश तिवारी, भवन अनुज्ञा विभाग के दौलत चंद्राकर एवं निगम की तोड़फोड़ दस्ता भवन के भीतर प्रवेश करते हुए अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई की। कार्यवाही होते देख भवन के मालिक ने अनाधिकृत विकास के अर्थदंड स्वरूप पांच लाख की राशि निगम कोष में जमा की तथा नियमितीकरण के दायरे में लाने के लिए आवेदन प्रस्तुत करने टीम को आश्वस्त किया। उल्लेखनीय है कि निगम आयुक्त रोहित व्यास ने अवैध निर्माण, अवैध अतिक्रमण तथा अवैध प्लाटिंग पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए इसी तारतम्य में कार्रवाई की जा रही है।

अनेक श्रद्धालुओं की मनोकामना के लिए जलती है अखंड ज्योत

कोरबा। चैत्र नवरात्र का आगाज होने के साथ ही पूरा कोरबा जिला शक्ति की आराधना में जुट गया है। लोक कल्याण की कामना लिए जगह जगह मां आदिशक्ति की पूजापाठ हो रही है। माता के दरबार में हाजिरी लगाने के लिए लोग सर्वमनोकामना ज्योत भी जलवा रहे है। कोरबा के सीतामणी में मौजूद राम जानकी मंदिर में ज्योत जलाने की एक अनोखी परंपरा है जिसका निर्वहन पिछले कई दशकों से किया जा रहा है। यहां हजारों या सैकड़ों की संख्या में बल्की एक ही ज्योत जलती है वो भी घी की। घी के ज्योत जलाने के पीछे एक अनोखी कहानी है जिसे आज हम आपको रुबरु करवाने जा रहे है। कोरबा के सीतामणी में मौजूद प्राचीन राज जानकी का मंदिर क्षेत्र के लोगों के लिए आस्था का एक बड़ा केंद्र है। श्रीराम गुफ के नाम से प्रसिद्ध इस मंदिर में हर साल नवरात्री के दौरान सर्वमनोकामना ज्योत प्रज्जवलित की जाती है। यहां ज्योत जलाने की एक अनोखी परंपरा है जिसका निर्वहन पिछले तीन दशकों से किया जा रहा है। यहां केवल एक ज्योत जलाई जाती है और वो भी घी की।

अर्बन रीपा की तैयारी शुरू

गारमेंट फैक्ट्री और बीपीओ के माध्यम से स्थानीय लोगों को मिलेगा रोजगार

ग्रामीण क्षेत्रों में 12 रीपा तैयार, शहरी क्षेत्रों में भी अर्बन रीपा के लिए भूमि की जा रही चिन्हांकित

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप जिला प्रशासन द्वारा अधिकाधिक संख्या में युवा उद्यमियों को रोजगार प्रदान करने रीपा आरंभ किये जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इनकी अधोसंरचना तैयार हो गई है और शहरी क्षेत्रों में इसके लिए भूमि चिन्हांकित की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में 12 रीपा तैयार हो गई हैं जिसमें एलाटमेंट आरंभ हो गये हैं। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने यहां हो रहे उद्यमों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में युवा स्टार्टअप आरंभ करना चाहते हैं। उनके पास उद्यम को लेकर नई सोच है हौसला है।

बस उन्हें अधोसंरचना और काउंसिलिंग की जरूरत है। इसे उपलब्ध कराएं और रीपा तथा अर्बन रीपा के माध्यम से इनकी सोच को मूर्त रूप प्रदान करें। भिलाई में गारमेंट फैक्ट्री और दो बीपीओ बनेंगे। इस संबंध में कलेक्टर मीणा को नगर निगम आयुक्त रोहित व्यास ने विस्तार

से अब तक की गई तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गारमेंट फैक्ट्री के लिए भूमि चिन्हांकित कर ली गई है। इसके माध्यम से पांच सौ लोगों को रोजगार मिलेगा।

साथ ही दो बीपीओ भी आरंभ होंगे जिसके माध्यम से उद्यमी आउटसोर्सिंग के बड़े मार्केट का लाभ उठा सकते हैं और लगभग पांच सौ युवाओं को रोजगार मिल सकता है। दुर्ग में भी इसी तरह से गारमेंट फैक्ट्री स्थापित होगी। कलेक्टर ने कहा कि रीपा के संबंध में अधिकतर युवाओं को जागरूक करें। बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन एवं निगम आयुक्त दुर्ग लोकेश चंद्राकर भी मौजूद थे।

कलेक्टर ने कहा कि छत्तीसगढ़ अनाधिकृत विकास नियमितिकरण विधेयक 2022 के अंतर्गत अवैध निर्माण कराने वाले नियमितिकरण का आवेदन दे सकते हैं। ऐसे लोगों से संपर्क करें और नियमितिकरण का कार्य कराएं। इसके साथ ही अवैध निर्माण पर नोटिस जारी करें और इसे नहीं हटाने वाले अथवा नियमितिकरण के लिए आवेदन नहीं करने वाले नागरिकों पर अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई करें।

जनदर्शन में बीते सप्ताह राजूलाल देवांगन ने शिकायत की थी। उन्होंने ग्रामीण बैंक की एक शाखा में एफडी जमा कराई थी लेकिन इसकी मूल प्रति खो गई। उसने बताया था कि वो लंबे अरसे से बैंक प्रबंधन से इसकी मांग कर रहा है लेकिन बैंक प्रबंधन द्वारा लापरवाही की जा रही है। इस पर कलेक्टर ने लीड बैंक प्रबंधक को प्रकरण की जांच करने एवं देवांगन को राहत दिलाने के निर्देश दिये थे। संबंधित प्रकरण में लीड बैंक आफिसर ने बताया कि बैंक प्रबंधन से चर्चा हो गई है और राशि देने पर सहमति जताई गई है।

कलेक्टर ने कहा कि नागरिक सुविधाओं में किये गये विलंब के लिए संबंधित बैंक प्रबंधक को नोटिस दिया जाएगा। शहर के पार्क अब शीघ्र ही नये रूप में रिनोवेट होंगे। यहां ग्रीनरी का दायरा बढ़ेगा। बच्चों के लिए प्ले एक्टिविटी बढ़ेगी। इसके लिए विशेषज्ञ अपने सुझाव देंगे और इसके मुताबिक इनके लैंडस्केपिंग के संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

भूखंड खरीदने के लिए समय कम, शहर के अलग-अलग इलाकों में ले सकते हैं प्लॉट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत भूखंडों के अंतरण के लिए प्रक्रिया प्रारंभ है। भूखंड लेने के लिए ई-ऑक्शन की प्रक्रिया प्रतिभागी को अपनानी होगी। विस्तृत जानकारी ई प्रोक्यूरमेंट में अपलोड कर दी गई है जिसे https//eproc.cgstate.gov.in, http//bhilaina-garnigam.com ÌÍæ https//uad.cg.gov.in पर जाकर देखा जा सकता है। नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत नेहरू नगर, दक्षिण गंगोत्री, प्रियदर्शनी परिसर, जवाहर नगर तथा पंडित दीनदयाल पुरम के 61 भूखंडों की नीलामी के लिए ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की है। भूखंड की प्राप्ति के लिए ऑनलाइन निविदा में भाग लेना होगा। शहर के अच्छे लोकेशन पर भूखंड प्राप्त करने का यह सुनहरा अवसर है। आवासीय एवं व्यवसायिक योजना दोनों ही इसमें सम्मिलित है। नोटिस बोर्ड में इसकी जानकारी चस्पा की गई है ताकि निगम अंतर्गत भूखंड को लीज पर लेने के लिए इच्छुक प्रतिभागी ई ऑक्शन की प्रक्रियाओं में भाग ले सकें। पारदर्शिता रखने के लिए पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन है, कोई भी पात्र व्यक्ति कहीं से भी ई ऑक्शन की प्रक्रिया में भाग ले सकता है। वर्तमान में 61 भूखंडों की नीलामी की जा रही है। क्या होगी नीलामी की प्रक्रिया जानिए कैसे ले सकते हैं इच्छुक भाग भिलाई निगम अंतर्गत लीज पर भूखंड लेने के लिए ई ऑक्शन प्रक्रिया अंतर्गत समस्त निविदाकारो द्वारा तीन स्तर पर नीलामी की प्रक्रिया में भाग लिया जा सकता है। पंजीकरण एवं पोर्टल संबंधी एवं अन्य तकनीकी जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 18004199140 पर समय प्रात: 9:00 बजे से रात्रि 11:00 बजे तक तथा ईमेल आईडी help desk.cgeproc@mjunction.in पर संपर्क कर सकते हैं। पंजीकरण के उपरांत द्वितीय प्रक्रिया के तहत निविदाकारों को आवश्यक प्रीक्वालीफिक्रेशन दस्तावेज जैसे भूखंड अनुसार ईएमडी/धरोहर की राशि ऑनलाइन के माध्यम से तथा अन्य दस्तावेज जैसे शपथ पत्र, निविदा दस्तावेज की स्वयं के द्वारा हस्ताक्षरित प्रति, निविदा नियम शर्तें, मान्य घोषणा पत्र इत्यादि दस्तावेज ऑनलाइन के माध्यम से अंतिम तिथि दिनांक 3 अप्रैल 2023 शाम 5:30 बजे तक जमा किया जा सकता है। निर्धारित समय अवधि में परीक्षण किया जाएगा और पात्र निविदाकारों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा।

सकल जैन समाज का सम्मान समारोह हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दिगम्बर जैन मंदिर पंचायत ट्रस्ट (बड़ा मंदिर) मालवीय रोड, द्वारा आज दिनांक 22/03/2023 को सुबह 11 बजे वृंदावन हॉल सिविल लाइंस, रायपुर में सम्मान समारोह का सफल आयोजन किया गया,जिसमे मुख्य अतिथि नरेंद्र जी गुरुकृपा एवं अध्यक्षता संजय नायक ने किया।

विशिष्ट अतिथि अभय भंसाली रहे , विगत दिनों व्यक्तिगत या संस्थागत रूप से जिन धर्म की प्रभावना हेतु किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए लोगों को सम्मानित किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया मंगलाचरण श्री महावीर ज्ञान विद्या समूह की महिला सदस्य आराधना नायक,अलका जैन , दीप्ति जैन , ममता जैन, रश्मि जैन ने किया कार्यकारणी के पदाधिकारी श्रेयश जैन विजय जैन, हर्षील जैन ,अजीत जैन आदि द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया ,कार्यक्रम की भूमिका और उद्देश्य के बारे में राजीव जैन इंजीनियर ने बताया।

अपर आयुक्त द्विवेदी ने ली बैठक, महत्वपूर्ण विषयों पर दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में आज महत्वपूर्ण बैठक हुई। निगमायुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने बैठक आहूत की थी।

बैठक में विभिन्न विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति पर चर्चा की गई, उन्होंने कहा कि योजनाओं को लेकर किसी भी प्रकार के प्रकरण लंबित न रहे। जन समस्या निवारण शिविर में प्राप्त आवेदनों के निराकरण के निर्देश भी उन्होंने

दिए। पट्टा, पेंशन, आधार कार्ड, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, मितान योजना, भवन अनुज्ञा प्रत्यक्ष प्रणाली, नियमितीकरण, नामांतरण, लीज फ्री होल्ड, सिटी बस, अमृत मिशन, स्वामी आत्मानंद स्कूल, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, धन्वंतरी योजना, मोबाइल मेडिकल यूनिट, सफाई व्यवस्था हितग्राही मूलक योजनाओं आदि को लेकर समीक्षा की गई। बैठक में प्रमुख रूप से अधीक्षण अभियंता दीपक जोशी, उपायुक्त नरेंद्र कुमार बंजारे, जोन आयुक्त राजेंद्र नायक, येशा लहरें, अमिताभ शर्मा, पूजा पिल्ले, खिरोद्र भोई, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, लेखा अधिकारी जीतेंद्र ठाकुर, नोडल अधिकारी राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन प्रीति सिंह, राजस्व अधिकारी श्रीनिवास पटेल तथा कार्यपालन अभियंता एवं सहायक राजस्व अधिकारी व विभाग प्रमुख विशेष रूप से मौजूद रहे।

यूनिवर्सल हेल्थ स्कीम के तहत सरकारी अस्पतालों में फ्री में होगा इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि यूनिवर्सल हेल्थ स्कीम से सरकारी अस्पतालों में हर वर्ग के लोगों का मुफ्त में इलाज होगा। भूपेश सरकार ने सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज के लिए यूनिवर्सल हेल्थ स्कीम बनाई है। मरीजों का ओपीडी और वार्ड में इलाज, ब्लड व रेडियो डायग्नोस्टिक जांच से लेकर ऑपरेशन तक सब कुछ मुफ्त किया जाएगा।

संसदीय सचिव चंद्राकर ने यूनिवर्सल हेल्थ स्कीम लागू किए जाने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव का आभार जताया है।

संसदीय सचिव चंद्राकर ने बताया कि यूनिवर्सल हेल्थ स्कीम के तहत एक जून से सरकारी अस्पतालों में हर वर्ग के लोगों का फ्री में इजाज किया जाएगा। वर्तमान में आयुष्मान भारत योजना या डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत मरीजों का मुफ्त में इलाज हो रहा है। यूनिवर्सल हेल्थ स्कीम लागू होने के बाद सभी वर्ग के लोगों को सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए एक रुपया भी खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। फ्री जांच की रसीद के लिए लंबी कतार भी नहीं लगानी पड़ेगी। यह फंड मेडिकल कॉलेजों की स्वशासी समिति, जिला अस्पतालों व सीएचसी की जीवनदीप समिति व आयुष अस्पतालों की समिति को दिया जाएगा।

बिना अनुमति के 30 जून तक नलकूप खनन पर लगी रोक

दुर्ग। गर्मी में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा द्वारा दुर्ग जिले को 30 जून तक जल अभाव क्षेत्र घोषित किया गया है। तय तिथि तक सक्षम अधिकारी के पूर्व अनुमति के बिना कोई नया नलकूप पेयजल अथवा पेयजल के अलावा किसी अन्य प्रयोजन के लिए खनन नहीं किया जा सकेगा। लेकिन शासकीय/ अर्ध शासकीय/ नगरी निकायों को पेयजल हेतु अपने क्षेत्राधिकार सीमा के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में नलकूप खनन हेतु अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी। परंतु निर्धारित नियमों का पालन भी उनके द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। संबंधित क्षेत्र में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी/ नगरी निकाय/ तहसील से रिपोर्ट प्राप्त कर अनुमति प्रदान करें।

अतिशीघ्र आवश्यकता है

एक प्लॉट सेल करने पर 9-10 प्रतिशत तक का ब्रोकरेज अनुभविकओं के लिए अतिशीघ्र आवश्यकता है...

रियल स्टेट कंपनी में काम किए हुए अनुभविक एवं फ्रेशर लड़के एवं लड़कियों की सेल्स एंड मार्केटिंग के लिए...

पार्ट टाइम और फुल टाइम जॉब

सैलरी :-7000-10000/- योग्यता के अनुसार

संपर्क करें : 9109132445

लोकेशनः- भिलाई दुर्ग चरोदा

आवश्यकता है

लड़के एवं लड़कियों की वेतन चार अंकों में

भिलाई मसाला उद्योग

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school , Nehru Nagar ,Bhilai

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361

CONTACT

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

वन विभाग को 800 करोड़ रूपए की राजस्व राशि की प्राप्ति, लक्ष्य के 160 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल

विभागीय कार्य कुशलता से हासिल हुई ऐतिहासिक उपलब्धि

राज्य गठन के बाद से विभाग को सर्वाधिक राजस्व की प्राप्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में शासन द्वारा निर्धारित राजस्व लक्ष्य 500 करोड़ रूपये के विरूद्ध लगभग 800 करोड़ रूपये की राजस्व राशि प्राप्त की गई, जो लक्ष्य से160 प्रतिशत अधिक है। विभाग की कार्य कुशलता से यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है।

विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वनक्षेत्र में स्थित खदानी काष्ठ से खनिज परिवहन हेतु टी.पी. शुल्क वसूली के प्रकरण में तत्परता दिखाते हुए 253 करोड़ रूपए की राशि वसूल कर शासन के राजस्व में जमा किया गया है। भारत सरकार द्वारा स्वीकृत कार्य आयोजना के प्रावधान के अनुसार कटाई किए जाने का प्रावधान है। वर्ष 2022-23 में कुल 22 कार्य आयोजना प्रचलित वनमंडलों में एवं 01 वनमंडल की वर्किंग स्कीम की स्वीकृत कराकर इन वनमंडलों में विदोहन की स्वीकृति भारत सरकार से निर्धारित समयावधि में प्राप्त कर विदोहन कार्य प्रारंभ किया गया। विदोहन से प्राप्त वनोपज का निर्धारित नीलाम से तिथियों

में नीलाम से राजस्व वृद्धि हुई।

इसी तरह छत्तीसगढ़ अभिवहन (वनोपज) नियम 2001 में विभाग द्वारा संशोधन करते हुये खनिज परिवहन शुल्क में वृद्धि से लगभग 150 करोड़ रूपए की अतिरिक्त राजस्व राशि की प्राप्ति हुई है। बस्तर वनमंडल में पूर्व में पाईन प्रजाति का रोपण हुआ था, की कटाई कराकर ई-नीलामी कराने से 2.57 करोड़ रूपए का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ है।

विभाग को वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल 346 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ था जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में कुल 800 करोड़ का राजस्व प्राप्त कर लिया गया है, जो वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु निर्धारित राजस्व लक्ष्य 500 करोड़ से 160 प्रतिशत अधिक है।

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पश्चात से यदि राजस्व प्राप्ति के आंकड़ों को देखा जाये तो वित्तीय वर्ष 2022-23 में सर्वाधिक राजस्व प्राप्त हुआ है। इनमें वर्षवार 2000-01 में 49.56 करोड़ रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ था। वर्ष 2017-18 में 283 करोड़ रूपए तथा 2018-19 में 256 करोड़ रूपए की राजस्व राशि प्राप्त की गई। वर्ष 2019-20 में 247 करोड़ रूपए, 2020-21 में 277 करोड़ रूपए, 2021-22 में 347 करोड़ रूपए की राजस्व राशि प्राप्त हुई थी। वर्ष 2022-23 में राज्य में ऐतिहासिक 801 करोड़ 55 लाख रूपए की राजस्व राशि प्राप्त हुई।

खास खबर...

जल स्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध होने की जरूरतः सीएम

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को विश्व जल दिवस की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने अपने संदेश में कहा है कि जल जीवन का आधार है। विश्व जल दिवस के मौके पर सभी के लिए और भी जरूरी हो गया है कि जल स्रोतों के संरक्षण और संवर्धन हेतु प्रतिबद्ध हों। मुख्यमंत्री ने कहा है कि हमारा छत्तीसगढ़ तालाबों, नदियों का प्रदेश है। सही देखरेख और जागरूकता से हम इन जल स्त्रोतों का संरक्षण और संवर्धन कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ सरकार नरवा कार्यक्रम के तहत् इन जल स्त्रोतों के संवर्धन का प्रयास कर रही है, मगर इसके लिए जन समुदाय की सहभागिता भी उतनी ही जरूरी है। सभी नागरिकों से आग्रह है कि हमारे धरोहर तालाब, नदियों और जल स्त्रोतों को बचाने के लिए स्वयमेव पहल करें और नई पीढ़ी को भी इसके लिए प्रेरित करें।

स्थानीय शिक्षित युवाओं के लिए सेक्टर 25 नवा रायपुर में प्लेसमेंट कैंप कल

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 24 मार्च को स्थान- एक्सटेंशन काउंटर, कमर्शियल कॉम्पेलक्स राखी, सेक्टर 25, नवा रायपुर, अटल नगर में सबेरे 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प आयोजित है। जिला रोजगार विभाग रायपुर के उपसंचालक ए ओ लॉरी ने बताया की इस प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से अलर्ट एस.जी.एस. प्रायवेट लिमिटेड, रायपुर द्वारा सिक्यूरिटी गार्ड, असिस्टेंट सुपरवाईजर, सिक्यूरिटी सुपरवाईजर एवं कारपेंटर के 225 पदों पर 8वीं से स्नातक/ स्नात्तकोत्तर एवं कारपेंटरी के कार्यानुभवी आवेदकों की भर्ती 8,000/- से 14,000/- प्रतिमाह की दर पर की जावेगी। उन्होंने बताया कि प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित होने योग्य एवं इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि एवं स्थल पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें। अधिक जानकारी के लिए आवेदक जिला रोजगार कार्यालय रायपुर में भी संपर्क कर सकते है।

छत्तीसगढ़ में छाए रहेंगे बादल, हल्की बारिश की संभावना

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ में आने वाले चार दिनों में भी मौसम का मिजाज ऐसे ही बने रहेगा। बादल छाए रहने व हल्की बारिश के कारण गर्मी से लोगों को राहत बनी रहेगी। संभावना जताई जा रही है कि 27 मार्च के बाद ही मौसम में बदलाव शुरू होगा। मौसम विभाग का कहना है कि विभिन्न क्षेत्रों में हल्की बारिश के साथ ही कुछ क्षेत्रों में अंधड़ भी चल सकती है। बुधवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया,जो सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस नीचे है। बीते कुछ दिनों से प्रदेश में बदले मौसम के मिजाज के कारण बढ़ती गर्मी से लोगों को राहत मिली है और सुबह-सुबह के साथ ही रात में भी ठंड का अहसास होने लगा है। रायपुर के साथ ही कांकेर, धमतरी प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बुधवार को बादल छाने के साथ ही हल्की बुंदाबांदी हुई। इसके चलते मौसम में भी ठंडकता बनी रही। मस्तुरी-पथरिया-मुंगेली में चार सेमी, बिल्हा में तीन सेमी, जयराजपुर-मरवाही में दो सेमी वर्षा हुई।

देश में पहली बार गोबर का ऐसा उपयोग

कोयला नहीं अब गोबर से गर्म हो रही सीमेंट प्लांट की भट्ठी

रायपुर (ए)। सीमेंट प्लांट की भट्ठी (क्लिन) को गर्म करने और ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए पहली बार कोयले के साथ गोबर का उपयोग किया जा रहा है। बलौदाबाजार-भाटापारा स्थित सीमेंट प्लांट में जिला प्रशासन के सहयोग से यह प्रयोग शुरू हो चुका है। यहां छह महीने के भीतर अब तक 38 टन गोबर की खपत हो चुकी है। सीमेंट बनाने की प्रक्रिया में भट्ठी को गर्म करने के लिए गोबर के उपयोग का यह प्रयोग प्रदेश में पहली बार किया जा रहा है।

सीमेंट प्लांट में छह महीने के प्रयोग के बाद हुआ एमओयू

इस नवाचार को बढ़ावा देने के लिए श्री सीमेंट प्लांट और बलौदाबाजार जिला प्रशासन के बीच मुख्यमंत्री की मौजूदगी में मंगलवार को एमओयू किया गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसे किसानों की समृद्धि और पर्यावरण संरक्षण के लिए अभिनव पहल बताया है।

एडिशनल फ्यूल रिर्सोसेज के रूप में देश में पहली बार गोबर का उपयोग

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सिमगा में स्थापित श्री सीमेंट उद्योग ने गोबर की आपूर्ति के लिए स्थानीय गोठान समितियों से करार किया है। इस पहल से पशुपालकों को हर महीने चार से पांच हजार रुपये की आय हो रही है। एमओयू के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, बलौदाबाजार कलेक्टर रजत बंसल, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, श्री सीमेंट के रवि तिवारी उपस्थित थे।

श्री सीमेंट के अधिकारियों ने बताया कि पूर्णत: गोबर से सीमेंट प्लांट की भट्ठी को गर्म करने के लिए रोजाना कम से कम 50 टन गोबर की जरूरत होगी। वर्तमान में छह से 10 टन गोबर ही उपलब्ध हो रहा है इसलिए गोबर के साथ कोयला भी मिलाया जा रहा है। एडिशनल फ्यूल रिर्सोसेज के रूप में गोबर को मिलाया जा रहा है।

95 गांवों के पशुपालकों को होगा फायदा

अधिकारियों ने बताया कि जिले में सात गौशाला में 1739 पशु हैं। चार गौशाला सिमगा विकासखंड में ही स्थित हैं। सीमेंट प्लांट के आस-पास 95 गांव हैं, जहां लगभग 80 हजार पशु हैं। फैक्ट्री की मांग के अनुरूप गोबर उपलब्ध कराने का प्रयास किए जा रहा है। वर्तमान में 15 किमी की परिधि में स्थित 16 गांवों से प्रतिदिन 10 मीट्रिक टन गोबर प्रदान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने किया ट्वीट

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट किया कि नवाचारों का गढ़ है छत्तीसगढ़... किसानों की समृद्धि और पर्यावरण संरक्षण के लिए औद्योगिक नगरी बलौदाबाजार में की जा रही है अभिनव पहल। पहली बार सीमेंट उद्योग के लिए की जा रही गोबर की खरीदी। सीमेंट फैक्ट्री में क्लिन को गर्म करने कोयले के स्थान पर अब होगा गोबर का उपयोग।

ऐसे बनता है सीमेंट

लाइम स्टोन के छोटे-छोटे टुकड़ों को भट्ठी में डालकर 1400 डिग्री में गलाया जाता है। गर्म होने के बाद लाइम स्टोन पाउडर बन जाता है जिसे क्लिंकर कहते हैं। इसमें जिप्सम, फ्लाईएश मिलाकर सीमेंट बनाया जाता है।

यंग इंडिया के बोल से युवाओं को मिलेगा राजनैतिक मंचः मरकाम

प्रवक्ताओं के चयन के लिए यंग इंडिया के बोल, सीजन-3 की शुरुआत

रायपुर (ए)। भारतीय युवा कांग्रेस ने संगठन में युवा प्रवक्ताओं के चयन के लिए यंग इंडिया के बोल सीजन-3 की शुरुआत कर दी है। इसी तारतम्य में बुधवार को रायपुर स्थित राजीव भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में छत्तीसगढ़ में इस कार्यक्रम की लॉचिंग की गई। इस प्रतियोगिता से चयन किए गए लोगों को जिला व राज्य स्तर पर प्रवक्ता पद के रुप में नियुक्त किया जाएगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम, संचार विभाग चेयरमैन सुशील आनंद शुक्ला, भारतीय युवा कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुबोध हरितवाल, यंग इंडिया बोल के छत्तीसगढ़ प्रभारी आर्यन शर्मा, प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष आकाश शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हर स्तर पर देश के युवाओं को अवसर दे रही है, यंग इंडिया के बोल के जरिए देश की युवा आवाज को एक राजनीतिक मंच मिलेगा, जिसके जरिए वह लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखेंगे। भारतीय युवा कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुबोध हरितवाल ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी की सोच रही है कि युवाओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित हो, यह कार्यक्रम उनकी सोच को साकार कर रहा है, लगातार देश भर से मुखर प्रवक्ता हमारे मंच के माध्यम से सामने आ रहे हैं और अलोकतांत्रिक मोदी सरकार के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। सुबोध ने आगे कहा कि आज हम ऐसे दौर में जी रहे है जो किसी भी विषय पर अपनी बात रखने की आजादी खत्म होती जा रही है,

खासकर सरकार के खिलाफ ऐसे में यंग इंडिया के बोल कार्यक्रम, देश भर के युवाओं को ताकत प्रदान करता है जिसमें वे खुलकर समाज के सामने अपनी बात को रखते हैं।युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने कहा कि यंग इंडिया के बोल युवाओं का सबसे बड़ा राजनीतिक मंच है, जहां विचारों को व्यक्त करने का मंच मिलता है, आज देश में आपातकाल जैसे हालात बनाए जाने का प्रयास किया जा रहा है केंद्र की सरकार द्वारा युवाओं की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है, मोदी म्यूट तंत्र में जहां-जहां भाजपा एक माइक बंद करने का प्रयास कर रही है, वहा युवा कांग्रेस इस कार्यक्रम से युवाओं को लाखों माइक देगी।

कार्यक्रम के छत्तीसगढ़ प्रभारी आर्यन शर्मा ने बताया कि यंग इंडिया के बोल कार्यक्रम के जरिए भारतीय युवा कांग्रेस युवाओं से प्रवक्ता के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन मंगवाता है, उसके बाद भाषण व वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, व अंको के आधार पर विजेताओं का चयन किया जाता है। प्रतियोगिता का माध्यम हिंदी, अंग्रेजी, प्रादेशिक व स्थानीय भाषाओं में होगा, यंग इंडिया के बोल सीजन 3 के लिए ऑनलाइन आवेदन 25 अप्रैल तक लिए जाएगे जिसमें 18 से लेकर 35 वर्ष आयु वर्ग के युवा आवेदन कर सकते है। इसके बाद प्रतिभागियों को जिला व राज्य स्तर तक अगले चरण के लिए चयन किया जाएगा। फाइनल प्रतियोगिता जून माह के अंत मे दिल्ली मे आयोजित कि जाएगी, यह प्रतियोगिता पूर्णत: निशुल्क है।इस दौरान पत्रकार वार्ता में छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष चकेश्वर गड़पाले, महासचिव भावेश शुक्ला, अनिमेश सिंह, सोशल मीडिया कन्वेयर शान मोहम्मद सैफी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया संघरी और भोथली नाला का निरीक्षण

रायपुर (ए)। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी के अंतर्गत रायपुर जिले में नरवा योजना के तहत आरंग विकासखण्ड में नालों को जीर्णोद्धार के लिए चिन्हांकित किया गया है। इन नालों में हो रहे साफ-सफाई, गहरीकरण, रिचार्ज पीट निर्माण सहित विभिन्न कार्यों का निरीक्षण करने बुधवार को कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उनके साथ जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाश छिकारा और सहायक कलेक्टर जयंत नाहटा सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।कलेक्टर ने उन जगहों का निरीक्षण किया जहां पर साफ-सफाई,गहरीकरण, रिचार्ज पीट निर्माण आदि विभिन्न कार्य हो रहा है।इसके होने से आसपास के क्षेत्र में जलस्तर बढ़ेगा।जिसका लाभ दूसरी फसल के रूप में किसान ले पाएंगे।

कलेक्टर डॉ. भुरे सबसे पहले ग्राम अमेठी पहुंचे, वहां उन्होंने संघरी नाला में पर्कोलेशन टैंक कार्य और रिचार्ज पिट का निरीक्षण किया यहां पर उन्होंने ग्रामीणजनों से चर्चा भी की।इसके पश्चात कलेक्टर बेनीडीह, गुल्लू तथा अकोलीकला भी पहुंचे। बेनीडीह में उन्होंने अमृत सरोवर का निरीक्षण करते हुए सरोवर में पचरी निर्माण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसी तरह

गुल्लू के भोथली नाला पर चल रहे नाला सफाई एवं गहरीकरण का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी और जनपद सीईओ को नाला की अतिक्रमित जमीन को मुक्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नाला की जमीन को मुक्त करने से नाला की चौड़ाई तथा पानी का प्रवाह की मात्रा में भी वृद्धि होगी। इससे भू-जल स्तर पर आवश्यक सुधार होगा। इसका लाभ क्षेत्र के लोगो को मिलेगा।इस दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों से चर्चा में कहा कि नरवा योजना का मूल उद्देश्य भूमिगत जल की बढ़ोतरी है। यह तभी हो पाएगा जब हमारे जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार हो उन्हें संजीवनी मिल सके। उन्होंने कहा कि भूमिगत जल में सुधार आने का बढ़िया परिणाम आपको दूसरी फसल के रूप में मिल सकेगा। जहां कहीं भी नाला जीर्णोद्धार का कार्य बेहतर तरीके से हुआ है वहां पर भूमिगत जल का स्तर बढ़ा है। उल्लेखनीय है कि आरंग ब्लाक में चिन्हांकित नाले अपने मूल रूप में वापस आ रहे हैं और धीरे-धीरे से भूमिगत जल में वृद्धि होने की संभावना बढ़ी है। इसका लाभ आने वाले वर्षों में किसानों को मिलेगा। कोसरंगी के रीपा और अकोलीकला के गौठान का कलेक्टर ने किया निरीक्षणकलेक्टर डॉ. भुरे ने नाला निरीक्षण के बाद कोसरंगी में बन रहे ग्रामीण औद्योगिक पार्क का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने पार्क में युवाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने वाली योजनाओं को यथाशीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए।इसी तरह ग्राम अकोलीकला के गौठान में अव्यवस्थित कार्यो पर गंभीर नाराज़गी व्यक्त की।उन्होंने कहा कि शासन की राशि का दुरुपयोग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नही की जाएगी। गौठान में जिन कार्यो के लिए शेड निर्माण किये गए है,उनका उपयोग उसी रूप में हो। जनपद सीईओ को गौठान में हितग्राहीमूलक कार्यो को यथाशीघ्र प्रारम्भ करने के निर्देश दिए।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

बालों में तेल लगाने से ना कतराएं फायदे जान रह जाएंगे हैरान

खूबसूरत दिखने के लिए स्किन के साथ बालों की भी केयर बेहद जरूरी होती है। महिला हो या पुरुष सभी को अपने बालों से बहुत प्यार होता हैं और वे चाहते हैं कि बालो को घना और मुलायम बनाया जाए। लेकिन आजकल प्रदूषण और पोषण की कमी के चलते यह चाहत आसानी से पूरी नहीं हो पाती हैं। वहीँ देखने को मिलता हैं कि लोग बालों में तेल लगाने से भी कतराते हैं क्योंकि उन्हें लगता हैं कि इससे उनके बाल ज्यादा टूटेंगे। जबकि बालों में तेल न लगाने की वजह से कई गंभीर समस्याएं शुरू हो जाती हैं। हांलाकि अगर आप बालों में बहुत ज्यादा तेल लगाते हैं या गलत तरीके से बालों में तेल लगाते हैं तो इसके भी नुकसान होते हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि आप बालों में तेल बिलकुल भी नहीं लगायें। हम आपको बताने जा रहे हैं कि बालों में तेल लगाने से क्या फायदे मिलते हैं।

स्कैल्प का ब्लड सर्कुलेशन होता है तेज

बालों में गर्म तेल लगाने के फायदे कई हैं। दरअसल, जब आप बालो में गर्म तेल लगाते हैं तो इसकी गर्मी बालों के रोम में ब्लड सर्कुलेशन को प्रोत्साहित करती है और क्यूटिकल स्केल को खोलती है। इसके अलावा, यह ब्लड वेसेल्स को फैलाती है और जिससे तनाव का स्तर कम होता है। एक बार जब क्यूटिकल स्केल खुल जाता है, तो यह जड़ों को पोषण देने के लिए तेल से पोषक तत्वों के लिए रास्ता बनाता है और इससे बालों के विकास को बढ़ावा मिलता है।

डैंड्रफ को रोकने में मददगार

स्कैल्प के रूखे होने के कारण अक्सर डैंड्रफ की समस्या हो जाती है। यह बालों की जड़ों में खुजली होने का कारण भी बन सकती है, जिससे बालों के झड़ने की समस्या हो सकती है। डैंड्रफ बालों गंदगी को आकर्षित करता है जिसके कारण बालों में जुएं होने की आशंका भी बढ़ जाती है। इससे बालों की ग्रोथ भी रुक जाती है। इसे रोकने के लिए, आपको अपने बालों में नियमित रूप से तेल लगाना चाहिए। यह आपकी स्कैल्प को रुखेपन से बचाएगा, जिससे बालों के टूटने को भी रोका जा सकता है।

प्रदूषण से बचाएं

बालों में तेल लगाकर रखने से आपके सिर में धूल मिट्टी नहीं लगती है, बल्कि तेल वाले बालों से ही चिपक जाती है, और जब आप अपने बालों को धोते हैं, तो इसे आसानी से निकलने में मदद मिलती है, और साथ ही सूर्य की पराबैंगनी किरणों से जो आपके बालों पर दुष्प्रभाव पड़ते है, उससे भी आपके बालों को बचाने में मदद मिलती है।

बाल घुंघराले नहीं होते

बालों में तेल का इस्तेमाल घुंघराले बालों को नियंत्रण में करने का बेहद अच्छा तरीका है। जिस दिन आपको लगे कि आपके बाल नियंत्रण से बाहर हो रहे हैं और घुंघराले लग रहे हैं। तो अपनी हथेलियों में कुछ मात्रा में तेल लेकर बालों में लगा लें। इस तरह घुंघराले बालों को आसानी से सही करने में मदद मिलेगी और बाल पोषित भी होंगे।

मिलता है हैप्पी हार्मोन्स को बढ़ावा

तेल गर्म करके लगाने से सिर्फ बालों को फायदा नहीं मिलता बल्कि, ये हैप्पी हार्मोन को बढ़ावा देने में भी मददगार है। यह तंत्रिका तंत्र को उत्तेजित करता है और इसे आराम पहुंचाता है। इससे हैप्पी हार्मोन को बढ़ावा मिलता है जिससे आपकी मानसिक सेहत भी बेहतर होती है।

बालों के झड़ने से बचाव

बालों का झड़ना अनहेल्दी बालों और स्कैल्प का सीधा रिजल्ट है। तेल मालिश स्कैल्प और बालों के हेल्थ में काफी सुधार कर सकती है, जिससे बालों का झड़ना कम हो जाता है। इसके अलावा स्प्लिट एंड्स भी बालों की ग्रोथ रोकने के मुख्य कारण में से एक हैं और इनका इलाज गर्म तेल की मालिश से भी किया जा सकता है।

स्कैल्प टिशूज को करे रिपेयर

बालों को तेल की मालिश करने का एक फायदा ये भी है कि यह स्किन में आसानी से एब्सोर्ब कर जाता है। एक शैम्पू-कंडीशनर, चाहे कितना भी अच्छा हो, तेल की तुलना में, स्कैल्प की गहराई तक नहीं जाते हैं। तेल स्कैल्प की गहराई तक पहुंचकर स्किन टिशू को रिपेयर करने में मदद करता है और बालों को हेल्दी बनाता है।

बालों को मिलता है पोषण

तेल से जब स्कैल्प पर मालिश की जाती है, तो ये हमारे स्कैल्प की स्किन में गहराई से जाता है जो कोई शैम्पू या हेयर प्रोडक्ट नहीं कर सकता है। इसलिए, जब तेल स्कैल्प में गहराई से अवशोषित हो जाता है, तो यह आपके बालों के ऊतकों और रोम को अंदर से पोषण देता है। इसी के साथ तेलों में फैटी एसिड होते हैं जो लिपिड और प्राकृतिक बालों की चमक को फिर से भरने में मदद करते हैं।

बालों को सफेद होने से बचाए

बालों को पोषण देने से आपके बालों की नेचुरल चमक को हमेशा बरकरार रखने में मदद मिलती है, कई लोगो का ऐसा भी मानना है की बालों में ज्यादा ऑइलिंग करने से आपके बल सफेंद हो जाते है, जबकि यह बिलकुल गलत होता है, हर दिन रात को कम से कम दस मिनट तक अच्छे से अपने बालों को मसाज करें इससे आपके बालों को काला होने में मदद मिलती है, और सफ़ेद होने की समस्या से बचाव होता है।

बालों में तेल लगाने का तरीका

तेल को हल्का गर्म करें। तेल में उंगलियां डुबोएं। अपने हाथों से बालों के हिस्से करें और सिर पर तेल लगाएं। कभी भी अपने बालों को अपनी हथेलियों के साथ न रगड़ें क्योंकि इससे आपके बाल टूट सकते हैं। मालिश करना आवश्यक है क्योंकि इससे सिर की त्वचा में रक्त परिसंचरण का सुधार होता है। आपको अपने बालों की 10 से 15 मिनट तक मालिश करनी चाहिए। सिमित मात्रा में तेल का उपयोग करें। बहुत अधिक तेल का प्रयोग करने का मतलब है कि आपको अधिक शैम्पू का उपयोग करना होगा। धीरे से अपनी उंगलियों के साथ सिर की मालिश करें। फिर बालों में रात भर के लिए तेल को लगाकर छोड़ दें। आप इसे अगली सुबह में धो सकते हैं। हालांकि, लंबे समय तक सिर पर तेल छोड़ना बेहतर होता है, लेकिन 24 घंटों से अधिक नहीं क्योंकि इससे बालों में गंदगी आएगी जिससे बाल कमजोर हो जाते हैं। सप्ताह में कम से कम एक बार बालों में तेल जरूर लगाएं। अगर आप चाहे तो इससे अधिक बार भी तेल का उपयोग कर सकते हैं। ऑयलिंग के बाद एक गर्म तौलिये के साथ अपने बालों को भाप देना बहुत ही अच्छा होता है क्योंकि इससे सिर के द्वारा तेल को अवशोषित करने में मदद मिलती है। बस 10 मिनट के लिए एक गर्म तौलिया अपने बालों में लपेटे। सुनिश्चित करें कि तौलिया बहुत गर्म न हो क्योंकि बहुत अधिक गर्मी बालों को नुकसान पहुंचा सकती है।

ऐसी भूमिकाएं निभाना चाहती हूं जो मुझे कलाकार के तौर पर चुनौती दें: अदिति शेट्टी

भाग्यलक्ष्मी और नागिन 6 जैसे शो का हिस्सा रहीं टीवी अदाकारा और मॉडल अदिति शेट्टी फिलहाल धर्मपत्नी में नजर आ रही हैं और एक्ट्रेस का कहना है कि उन्हें टीवी पर अलग-अलग तरह के रोल एक्सप्लोर करना पसंद है। अभिनेत्री ने कहा कि उनके शो धरमपत्नी में उनका किरदार परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और वह इसे पसंद करती हैं। उन्होंने कहा- एक अभिनेता के रूप में, मेरा लक्ष्य सिर्फ विभिन्न भूमिकाएं निभाना है। मैं ऐसी भूमिकाएं निभाना चाहती हूं जो मुझे एक अभिनेता के रूप में चुनौती दें और मुझे हर दिन बढ़ने और सीखने में मदद करें। धरमपत्नी में काव्या का किरदार मेरे लिए अद्भुत यात्रा रही है, एक कलाकार के रूप में मैंने बहुत कुछ सीखा है और यह मेरे लिए एक पुरस्कृत अनुभव रहा है। मैं असल जिंदगी में काव्या जैसी नहीं हूं और जब मैं काव्या का किरदार निभा रही हूं तो मुझे पूरी तरह से अलग जिंदगी जीने का मौका मिल रहा है। मैं इस भूमिका को पाकर बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं और इसके साथ न्याय कर पाना मेरा उद्देश्य है। यह कहने के बाद, मैं मुख्य भूमिका के साथ-साथ मजबूत सकारात्मक भूमिकाओं की प्रतीक्षा कर रही हूं क्योंकि मैं एक अभिनेता के रूप में इसे लेने और इसके साथ न्याय करने के लिए तैयार और आश्वस्त महसूस करती हूं।

वह किस तरह के रियलिटी शो का हिस्सा बनना चाहती हैं, इस बारे में बात करते हुए वह कहती हैं- मैंने अपने करियर की शुरूआत मॉडलिंग से की थी और उस समय, मुझे उससे संबंधित शो करने में बहुत दिलचस्पी थी। इसलिए मैं इंडियाज नेक्स्ट टॉप मॉडल का हिस्सा थी। मुझे लगता है कि जिस शो में मुझे अपने व्यक्तित्व को दिखाने का मौका मिलेगा वह रोमांचक होगा। हो सकता है कि बिग बॉस मुझे परखने के लिए अच्छा होगा कि मैं कुछ स्थितियों पर कैसे प्रतिक्रिया करती हूं।

वह कहती हैं, टीवी अभिनेता होने के बारे में सबसे बड़ा प्लस वह प्यार है जो आपको मिलता है: यह बहुत अभिभूत करने वाला है कि दर्शक आपको कितना प्यार देते हैं। दर्शकों ने मुझे जो प्यार दिया है, उसके लिए मैं बहुत खुशकिस्मत हूं। अभिनय मेरा जुनून है। जागना और अपनी पसंद का काम करना दुनिया का सबसे अच्छा अहसास है। मुझे कैमरे के सामने रहना और परफॉर्म करना बेहद पसंद है। उद्योग में सर्वश्रेष्ठ के साथ इस तरह के अद्भुत अवसर प्राप्त करने के लिए मुझे प्रेरित करता है। मेरा परिवार और दोस्त मेरा काम देखना पसंद करते हैं और उन्हें खुश देखना और अपने दर्शकों का मनोरंजन करना हर दिन बेहतर करने की मेरी अंतिम प्रेरणा है।

चिरंजीवी की भोला शंकर की रिलीज डेट का ऐलान, पोस्टर में तमन्ना भाटिया-कीर्ति सुरेश के साथ दिखा खास अंदाज

गॉडफादर और वाल्टेयर वीरय्या जैसी सुपरहिट फिल्मों के बाद अब मेगास्टार चिरंजीवी की अगली फिल्म भोला शंकर का फैंस को बेसब्री से इंतजार है. पहली बार मेहर रमेश के साथ चिरंजीवी ने फिल्म के लिए सहयोग किया है. ये एक एक्शन एंटरटेनर फिल्म है जिसमें अभिनेता का दमदार रोल देखने को मिलेगा. फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान हो गया है. मेकर्स ने उगादी पर्व यानी गुड़ी पड़वा के इस खास मौके पर भोला शंकर के रिलीज डेट की घोषणा की है. चिरंजीवी की फिल्म भोला शंकर 11 अगस्त 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. फिल्म बंपर ओपनिंग कर सकती है ऐसी चर्चा जोर-शोर से हो रही है. रिलीज के बाद 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस की छुट्टी का फिल्म को फायदा मिल सकता है. वहीं 22 अगस्त को चिरंजीवी का जन्मदिन भी है जो उनके फैंस के लिए किसी बड़े त्योहार से कम नहीं है. ऐसे में फिल्म के शानदार कमाई की पूरी उम्मीद की जा रही है. फिल्म के निर्माताओं ने भोला शंकर की रिलीज डेट के साथ इसका शानदार पोस्टर भी आउट किया है. फिल्म में चिरंजीवी के अलावा कीर्ति सुरेश और तमन्ना भाटिया भी नजर आएंगी. कीर्ति सुरेश फिल्म में अभिनेता की बहन का किरदार निभाती नजर आएंगी. बता दें, भोला शंकर तमिल फिल्म वेदलम का आधिकारिक तेलुगू रीमेक है.

कहीं आप पर भारी ना पड़ जाए ओवरस्लीपिंग की आदत, ये है इसके नुकसान

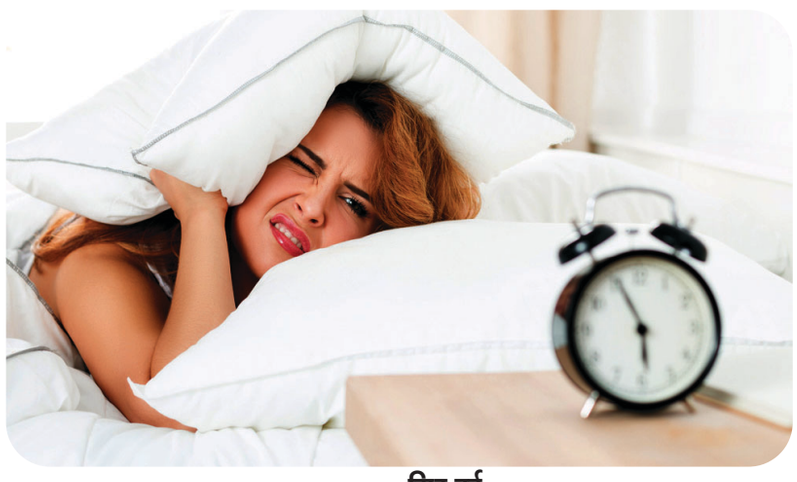

सोना हमारी दैनिक दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन 7 से 8 घंटे सोना हर किसी के लिए जरूरी है। सुबह जब आप भरपूर नींद लेकर जागते हैं, तो आप एनर्जी से भरपूर रहते हैं। लेकिन, कुछ लोग होते हैं जो ओवरस्लीपिंग करते हैं और लिमिट से कई घंटे अधिक सो जाते हैं। देर तक सोना आपके लिए तब तक ही अच्छा है जब तक आपको इसकी आदत ना हो। अगर आप ओवरस्लीपिंग की आदत बना लेते हैं, तो यह आपकी सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक स्थिति पैदा करता हैं। आवश्यकता से अधिक सोना सेहत को हानि पहुंचाने का काम करता हैं। आज इस कड़ी में हम आपको इसी से जुड़ी जानकारी देने जा रहे हैं। आइये जानते हैं इसके बारे में...

मोटापे की समस्या

नींद और मोटापे के बीच सीधा संबंध है। शरीर की जरूरत से बहुत कम या बहुत अधिक नींद लेने से व्यक्ति को मोटापा हो सकता है। दरअसल, जब आप बहुत अधिक सोते हैं तो इसका अर्थ है कि आपका शरीर लंबे समय के लिए शारीरिक रूप से निष्क्रिय हैं। कम शारीरिक गतिविधि के कारण आपका शरीर कम कैलोरी बर्न करता है, जिससे वजन बढ़ सकता है। 2010 में सोशल साइंस एंड मेडिसिन में प्रकाशित के एक अध्ययन में यह पाया गया कि एक दिन में 8 घंटे से अधिक नींद लेने से व्यक्ति को मोटापे, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग के जोखिम का सामना करना पड़ सकता है।

दिल की बीमारी

एक स्टडी में खुलासा हुआ है कि ज्यादा नींद लेने से दिल की समस्याएं हो सकती हैं। ज्यादा सोना आपके दिल को नुकसान पहुंचा सकता है। जर्नल पीएलओएस में प्रकाशित इस स्टडी में ये भी दावा किया गया है कि यदि आप 9 से 11 घंटे की नींद लेते हैं तो आपको दिल का रोग होने की संभावनाएं 38 प्रतिशत तक बढ़ जाती हैं।

पीठ दर्द

ऑफिस में डेस्क वर्क करने वाले लोग अपना ज्यादातर समय कुर्सी पर बैठकर गुजारते हैं जिससे उन्हें काफी थकान हो जाती है और वे लंबे समय तक सोते हैं। लंबे समय तक सोने के चलते उन्हें पीठ दर्द , गर्दन और कंधों में दर्द की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

डायबिटीज का रिस्क

जरूरत से ज्यादा सोना आपके ब्लड शुगर लेवल के लिए बिल्कुल भी उचित नहीं है। दरअसल, जब आप अधिक नींद लेते हैं तो इससे आपकी बॉडी की शुगर को प्रोसेस करने की क्षमता प्रभावित होती है। जिसके कारण व्यक्ति को टाइप 2 मधुमेह होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। इसके अलावा, बहुत अधिक नींद का मतलब है कि आप कम शारीरिक रूप से सक्रिय हैं और यह भी मधुमेह के जोखिम को बढ़ाता है। 2009 में स्लीप मेडिसिन के एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग बहुत अधिक या कम सोते हैं, उन्हें टाइप 2 मधुमेह विकसित होने का अधिक खतरा काफी अधिक होता है।

सिर दर्द

सुबह देर तक सोकर उठने के बाद या फिर 7-8 घंटे से ज्यादा सोने से अक्सर कई लोगों को सिर दर्द की समस्या शुरू हो जाती है। इसके अलावा अगर आप ज्यादा देर तक सोकर उठते हैं तो अचानक भूख और प्यास लग जाती है, इससे भी सिर दर्द की समस्या हो सकती है। इसलिए समय पर सोना और समय पर उठना ही सेहत के लिए लाभदायक होता है।

डिप्रेशन

आपको सुनने में शायद अजीब लगे, लेकिन लगातार जरूरत से ज्यादा सोने से आपके मूड पर असर पड़ता है। यहां तक कि इससे व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है। दरअसल, नींद मस्तिष्क में न्यूरोट्रांसमीटर को प्रभावित करती है। बहुत अधिक नींद लेने से व्यक्ति की शारीरिक गतिविधि कम हो जाती है। न्यूरोट्रांसमीटर डोपामाइन और सेरोटोनिन के स्तर को बढ़ाने के लिए व्यक्ति का फिजिकल रूप से एक्टिव होना बेहद आवश्यक है। इससे आपके मूड भी बेहतर होता है।

थकान

बहुत ज्यादा सोने का सबसे बड़ा साइड इफेक्ट यह भी हो सकता है कि आपको हर समय सोने का मन करे। ऐसा थकान के कारण हो सकता है। दरअसल, ज्यादा सोने से बॉडी क्लॉक बिगड़ जाता है, जिसका प्रभाव पूरे शरीर पर पड़ता है और ऐसे में थकान महसूस होने लगती है, कुछ करने का मन ही नहीं करता।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

जिले में नवरात्रि के लिये यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने नए रूट तैयार किये गए

दुर्ग। पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देश व मार्गदर्शन मे उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) के नेतृत्व में यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा डोगरगढ दर्शन के लिए जाने वाले पदयात्रियों के सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रूट तैयार किया गया हैं। रायपुर की ओर से आने वाले पदयात्रियों के लिये कुम्हारी, चरोदा, डबरापारा से खुर्सीपर रेल्वे फाटक होते, सेक्टर की ओर से मुर्गा चौक, ग्लोब चौक, सेक्टर 09 चौक, एम. डी बांग्ला चौक, जेल तिराहा होते महाराजा चौक, पुलगांव से अंजोरा होते राजनांदगाव जा सकेंगे तथा दुर्ग भिलाई के पदयात्री वाय सेफब्रिज होते हुए मालवीनगर, पटेल चौक से पुलगांव होते हुए अंजोरा से राजनांदगाव तक पहोच सकेंगे दुर्ग पुलिस पदयात्रियों एवं वाहन चालको से निम्न सावधानियां रखने की अपील करती है:-दर्शन के लिए जाने वाले पदयात्रियों से अपीलपदयात्री अपने पीठ पर या बैग में रेडियम स्टीकर लगाकर चले एवं रिफ्लेक्टिव कपडे पहने डार्क कलर का कपडा ना पहनें ताकि वाहन चालक को आप आसानी से दिखाई दे सकें।सड़क के एकदम किनारे बांये ओर चले वाहन चलने वाले सडक पर ना चले ताकि दुर्घटना से बच सकें।देर रात यात्रा प्रारंभ करने से बचें।प्रशासन द्वारा निर्धारित पदयात्रा मार्ग पर ही चले।पदयात्रा के दौरान सड़क पर विश्राम ना करे अन्यथा एक गंभीर दुर्घटना के शिकार हो सकते है। पदयात्रा मार्ग पर बांये ओर वाहन चल रहे होगें अत: सचेत एवं चौकन्ना होकर पदयात्रा करें।दर्शन के लिए वाहन से जाने वाले वाहन चालको से अपील 99देर रात यात्रा करने के बचेअधूरे नींद (अनिंद्रता) में वाहन ना चलाये।वाहन में क्षमता से अधिक सवारी ना बैठायें। शराब एवं किसी भी प्रकार का मादक पदार्थ का सेवन कर वाहन ना चलाये।सड़क पर वाहन पार्क ना करें।रात्रि के समय वाहन लोबीम (डिपर) पर चलायें। पदयात्री थके होने के कारण कई बार असुरक्षित हो जाते है अत: आप सतर्कतापूर्वक वाहन चलाये और दुर्घटना से बचें।

सृजन का मूल माध्यम सिर्फ स्त्री को ही चुना गया : मिनाक्षी

दुर्ग। सदा, सदा से आदि अनादि काल से नारी शक्ति को महाशक्ति के रूप में देखा गया है सृजन का मूल माध्यम सिर्फस्त्री को ही चुना गया है जबकि पितृसत्ता का आवश्यकता की वजह से निर्माण हुआ है। नि:स्वार्थ रुप से देने का भाव केवल माता के पास होता है और इसलिए धरती, गाय, प्रकृति में हम माता को ही ढुंढते हैं। ग्राम चंगोरी में मद् भागवत कथा के तीसरे दिन के प्रसंग में कथा प्रवक्ता मिनाक्षी देवी वैष्णव ने सति चरित्र कथा को विस्तार देते कहा कि सुखद संयोग है आज जो सति चरित्र, शिव विवाह की कथा नवरात्र के पहले दिन सुनने और सुनाने का अवसर बना है। नवरात्र में नवदुर्गा के रूप में नारी शक्ति का बखान और पूजा होती है, जब हमें आराधना, प्राथर्ना में दिव्य शक्ति के गुणों का हृदय से बखान करते हैं तो वही गुण हमारे अस्तित्व का भी हिस्सा बनते जाते हैं और यही गुण मानवता से दिव्यता की ओर ले जाती है। कथा को भाव देते हुए मिनाक्षी देवी ने कहा सति यानि शक्ति के बिना शिव यानि सृष्टि का संचलन नही हो सकता, क्या स्त्री के बिना पुरुष की कल्पना किया जा सकता है, माता के बिना संतान की कल्पना किया जा सकता है? इसलिए हम नारी शक्ति को सर्वोपरि मानते हैं। कोई उम्र का बंधन नही है, ज्ञान का बंधन नही है सिर्फ हृदय से ईश्वर नाम का इंधन की जरूरत है। आयोजन समिति महिला कमांडो एवं ग्रामवासी चंगोरी ने शिव विवाह को सजिव करते हुए लोगों का स्वागत आभार किये।

डिजिटल स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत की लंबी छलांग: डॉ. मनसुख मांडविया

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। डिजिटल स्वास्थ्य युक्तियां केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवा डिलिवरी कार्यक्रमों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि विविध स्वास्थ्य परिणामों में फैले हुए हैं, जो स्वास्थ्य और रोग से जुड़ी विस्तृकत श्रेणियों में संचारी तथा गैर-संचारी दोनों प्रकार के रोगों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से डब्यू मा एचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र द्वारा आयोजित भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत एक सह-ब्रांडेड कार्यक्रम डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक सम्मेलन - सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को अंतिम नागरिक तक सुलभ करना के समापन दिवस पर अपने संबोधन के दौरान यह बात कही।

मार्शल द्वीप के स्वास्थ्य और मानव सेवा मंत्री जो बेजांग और डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह इस अवसर पर उपस्थित थी। अन्य गणमान्य व्यक्ति, जो उच्च-स्तरीय पूर्ण सत्र में उपस्थित थे, उनमें डेनमार्क के आंतरिक और स्वास्थ्य मंत्रालय के डेटा अवसंरचना और साइबर सुरक्षा कार्यालय की वरिष्ठ सलाहकार सुश्री नीना बर्गस्टेड; मोज़ाम्बिक के स्वास्थ्य मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रशिक्षण की उप निदेशक श्रीमती बर्नार्डिना डी. सूसा; ओमान के सूचना प्रौद्योगिकी महानिदेशक श्री बदर अवलदथानी और अमेरिकी स्वास्थ्य तथा मानव सेवा विभाग की हेल्थ् अटैची और दक्षिण एशिया क्षेत्रीय प्रतिनिधि डॉ. प्रीता राजारमन शामिल थीं। डॉ. मांडविया ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए रेखांकित किया कि ''भारत ने प्रभावी स्वास्थ्य सेवा डिलिवरी के लिए डिजिटल स्वास्थ्य समाधानों का लाभ उठाने की दिशा में लंबी छलांग लगाई है। उन्हों ने कहा, भारत ने मातृ और बाल स्वास्थ्य क्षेत्र में, 200+ मिलियन पात्र जोड़ों, 140 मिलियन गर्भवती महिलाओं और 120 मिलियन बच्चों का नाम-आधारित डेटाबेस का निर्माण किया है, जिनकी प्रसव पूर्व, प्रसवोत्तर और टीकाकरण संबंधी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए निगरानी की जा रही है। एक अन्य प्रमुख उदाहरण राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत निक्षय युक्ति है, जिसके माध्यम से 11 मिलियन से अधिक रोगियों को टीबी उपचार के पालन के लिए ट्रैक किया जाता है''।

डिजिटल स्वास्थ्य और सेवा डिलिवरी क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा पर भारत का फोकस एनसीडी अनुप्रयोग के साथ रेखांकित किया गया है, जिसके माध्यम से 5 एनसीडी के लिए 30+ आयु के साथ 15 मिलियन से अधिक आबादी की जांच की गई है, जिससे भारत के लिए एक स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल का सृजन हुआ है। समेकित स्वास्थ्य सूचना मंच (आईएचआईपी) का उपयोग करते हुए, जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से एक राष्ट्रीय निगरानी प्रणाली के रूप में विकसित किया गया था, हमने नाम-आधारित, जीआईएस-सक्षम 36 महामारी की आशंका वाले रोगों की वास्तविक समय निगरानी सुनिश्चित की है।

डॉ. मांडविया ने ई-रक्तकोश (जो देश भर में सभी ब्लड बैंकों का प्रबंधन करता है), ओआरएस (ऑनलाइन रिजर्वेशन सिस्टम एप्लिकेशन जो देश भर में सरकारी सुविधाओं के लिए ऑनलाइन नियुक्ति प्रदान करता है), मेरा अस्पताल , ई-संजीवनी और कोविन जैसे अन्य अखिल भारतीय डिजिटल अनुप्रयोगों को भी रेखांकित किया।

उन्होंने कहा, अब तक, इस मंच के माध्यम से 100 मिलियन से अधिक टेली-कंसलटेशन आयोजित किए गए हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर विख्या त कोविन वैक्सीन प्रबंधन मंच ने 2.2 बिलियन से अधिक कोविड-19 वैक्सीन खुराक दिए जाने में सहायता की है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के डिजिटल पहलुओं पर भी विस्तार से जानकारी दी और कहा, इस पहल के तहत, 332 मिलियन से अधिक विशिष्ट रोगी आईडी (एबीएचए पहचान पत्र), 200,000 से अधिक स्वास्थ्य सुविधा रजिस्ट्री और 1,44,000 से अधिक स्वास्थ्य व्यावसायिक रजिस्ट्री सृजित की गई हैं। उन्होंने कहा कि एबीडीएम एक मरीज के व्याकपक स्वास्थ्य रिकॉर्ड के निर्माण की ओर ले जाएगा।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में पीएचडी कोर्स वर्क की लिखित परीक्षा 11 अप्रैल को

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग की पीएचडी कोर्स वर्क की लिखित परीक्षा 11 अप्रैल को प्रात: 11:00 से 1:00 बजे के मध्य हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग परिसर स्थित प्रषासनिक भवन में आयोजित होगी। यह जानकारी देते हुए विष्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं पीएचडी सेल प्रभारी, डॉ. प्रषांत श्रीवास्तव ने बताया कि इस परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रत्येक परीक्षार्थी को प्रात: 10:00 बजे विष्वविद्यालय परिसर में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि प्रत्येक शोधार्थी को कोर्स वर्क की अवधि के दौरान अपनी 75 प्रतिषत् उपस्थिति संबंधी प्रमाण पत्र संबंधित शोधकेन्द्र के विषय के विभागाध्यक्ष तथा प्राचार्य से हस्ताक्षरित कराकर दिनांक 31 मार्च 2023 तक विष्वविद्यालय के पीएचडी सेल में जमा करना अनिवार्य है। इस प्रमाण पत्र के अभाव में शोधार्थी लिखित परीक्षा में शामिल होने के पात्र नहीं होंगे।

परीक्षार्थियों को विष्वविद्यालय के वेबसाइट से परीक्षा हेतु प्रवेष पत्र डाउनलोड करना होगा तथा परीक्षा के दिन प्रवेष पत्र के साथ-साथ एक फोटोयुक्त परिचय पत्र जैसे पेनकार्ड, ड्रायविंग लाइसेंस, आधार कार्ड अथवा वोटर आईडी साथ लाना अनिवार्य है। प्रत्येक शोधार्थी का विष्वविद्यालय में नामांकन होना अनिवार्य है। डॉ. श्रीवास्तव के अनुसार पीएचडी कोर्स वर्क से संबंधित लिखित परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार के 50 प्रष्नों से युक्त होगी।

प्रत्येक प्रष्न 02 अंकों का होगा, कुल 100 अंकों के प्रष्नपत्र में परीक्षार्थी को 55 प्रतिषत् अंक प्राप्त करने पर ही उत्तीर्ण घोषित किया जायेगा। दो भागों में विभक्त इस प्रष्नपत्र में अनुसंधान की प्रवधि, प्रक्रिया तथा कम्प्यूटर के अनुप्रयोग संबंधित 35 प्रष्न तथा द्वितीय भाग में शोध एवं प्रकाषन नैतिकता से संबंधित 15 प्रष्न पूछे जायेंगे।

विश्वविद्यालय अध्यादेष क्रमांक 45 एवं यूजीसी द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार ऐसे शोधार्थी जिन्होंने एमफिल की परीक्षा मान्यता प्राप्त विष्वविद्यालय से उत्तीर्ण की हो तथा एमफिल की अंकसूची में रिसर्च मैथोडोलॉजी एक अनिवार्य प्रष्नपत्र हो उन्हें पीएचडी कोर्स वर्क की परीक्षा से छूट प्राप्त होगी। विष्वविद्यालय के परीक्षा उपकुलसचिव, डॉ. राजमणि पटेल के अनुसार 11 अप्रैल को आयोजित होने वाली पीएचडी कोर्स वर्क की लिखित परीक्षा जिन 15 विषयों में आयोजित होगी।

जल प्रदुषण से रोकथाम व जागरूकता के लिए वाटर एड इंडिया ने आयोजित किया जल जागरूकता जन अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जल दिवस के अवसर पर वाटर एड इंडिया जिला दुर्ग द्वारा जल जागरूकता जन अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत आज शिवनाथ नदी के तट पर जल संरक्षण, सुरक्षा एवं सफाई विषय पर शपथग्रहण, नदी की सफाई एवं जनजागरण रथ यात्रा का आयोजन किया गया।

जिसके मुख्य अतिथि के रूप में लवकेश ध्रुव एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता उपस्थित हुए और उपस्थित स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के कर्मचारियों, जल जीवन मिशन के कर्मचारियों, सरपंच, पंच, समाज कार्य के छात्र छात्राओं, नगर निगम दुर्ग एवं भिलाई के कर्मचारियों, शिवनाथ नदी से लगे 21 गांव के प्रतिनिधियों सहित स्वच्छाग्रही, स्व सहायता समूह सदस्यों, सक्रिय महिलाओं, मछुवारा समिति सदस्यों को जल रक्षक के रूप में शपथ ग्रहण कराई इसके पश्चात अपर कलेक्टर महोदय द्वारा सभी उपस्थित समुदाय के साथ नदी तट की साफ-सफाई कर संदेश प्रदान किया कि हमे अपने आसपास साफ -सफाई रखनी है विशेषकर जल को प्रदूषित होने से बचाने हेतु सबको मिलजुल कर प्रयास करना होगा। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के गिरीश माथुरे द्वारा स्वच्छग्रहियो द्वारा आज के सहयोग हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने गाँव के तालाबों, और जल संस्थानों की सुरक्षा करनी होगी। वाटर एड इंडिया के प्रतिनिधि द्वारा उद्देश्य पर प्रकाश डाला गया और बताया गया कि नदी, नालियों और तालाबों के पानी को यदि हम आज प्रदूषण से नहीं बचायेंगे तो यह हमारे आने वाली पीढ़ी के लिए बहुत घातक होगा हमें हमेशा कोशिश करनी होगी कि हम अधिक से अधिक जल संरक्षण में अपना योगदान प्रदान करें। नदी से लगे गांव के ग्रामीण जनों ने वाटर एड द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए नदी के जल के संरक्षण, स्वच्छता हेतु हमेशा अपना सहयोग प्रदान करने का आश्वासन प्रदान किया। कार्यक्रम के समापन में धन्यवाद ज्ञापन वाटर एड प्रतिनिधि द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में वाटर एड से सौरभ कुमार, सुरेश कापसे, मनोज बनिक, स्वाति शेरपा, निक्की सोनी, हेमादेवांगन जल जीवन मिशन से अंशुल मेश्राम, भावेश बावनकर, चंद्रकांत स्वछ भारत मिशन ग्रामीण से गिरीश माथुरे, राजेश टांडेकर, छात्र छात्राओं सहित ग्रामीण जन उपस्थित हुए।

हरी-भरी बाड़ी देखकर कलेक्टर पहुंचे किसान से मिलने, किसान ने बताया शासन की योजना का मिला लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा आज विकासखण्ड खरसिया दौरे के दौरान ग्राम-नगोई जैसे ही पहुंचे वहां उन्होंने हरी-भरी बाड़ी को देखकर काफी खुश हुए और मौके पर ही उन्होंने गाड़ी से उतरकर बाड़ी के कृषक से मिलने पहुंचे। कलेक्टर सिन्हा ने कृषक कमलेश राठिया से चर्चा करते हुए लगाए गए फसलों की जानकारी ली। राठिया ने बताया कि उक्त भूमि पूर्व में अनुपयोगी थी। लेकिन मनरेगा के तहत समतलीकरण एवं कुआं निर्माण किया गया है। जिसके कारण आज वे बारहमासी फसल ले रहे है। वर्तमान में वे अभी फल्ली, मक्का एवं अन्य सब्जी फसल लगाए हुए है। उन्होंने कलेक्टर को जिला प्रशासन से मिले सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत अबिनाश मिश्रा भी उपस्थित रहे।

इसी क्रम में कलेक्टर सिन्हा रीपा गौठान बोतल्दा पहुंचे। यहां उन्होंने रीपा गौठान के तहत बनाए जा रहे अधोसंरचना निर्माण का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सिन्हा ने गौठान में कार्यरत महिला समूह से चर्चा की। महिलाओं द्वारा बताया गया कि समूह द्वारा मशरूम उत्पादन एवं वर्मी कम्पोस्ट निर्माण किया जाता है। जिससे अच्छी आय अर्जित हो रही है। कलेक्टर सिन्हा ने समूह की महिलाओं को मशरूम के वेल्यू एडिशन पर कार्य करने के निर्देश दिए, जिससे आय बनी रही। उन्होंने अधिकारियों को गौठान में फलदार वृक्ष लगाने एवं गौठान में पशुओं को लाने के लिए अलग से रास्ता निर्माण के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर सिन्हा गोरपार कसाईपाली स्थित निर्माणाधीन अमृत सरोवर पहुंचे। वहां उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। विभागीय अधिकारी द्वारा बताया गया कि शीघ्र ही कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। कलेक्टर सिन्हा ने ग्रामीणों से कहा कि भू-जल स्तर सुधार हेतु हमें अधिक से अधिक जल संरक्षण की दिशा में कार्य करना है।

मांग अनुरूप जल संरक्षण की दिशा में अन्य संरचना पर भी कार्य किया जा सकता है। कलेक्टर सिन्हा पटवारी कार्यालय बर्रा पहुंचे एवं ग्रामीण से बात की। उन्होंने राजस्व मामले के निराकरण के संबंध में ग्रामीण से चर्चा की। ग्रामीण ने बताया कि विवादित बंटवारा से संबंधित प्रकरण है, जिसके कारण निराकरण में देरी हो रही है। कलेक्टर सिन्हा ने पटवारी से ग्रामीणों के राजस्व प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकरण के निर्देश दिए। इसी क्रम में कलेक्टर सिन्हा बर्रा रेशम केन्द्र पहुंचे वहां उन्होंने रेशम के विभिन्न किस्म एवं ग्रामीणों को मिलने वाले रोजगार के संबंध में चर्चा की। विभागीय अधिकारी द्वारा बताया गया कि नियमित 30 से 40 लोगों को कार्य मिलता है। जिससे उन्हें सालाना लगभग 70 से 75 हजार रुपये आय प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में मलबरी किस्म हेतु शहतूत के पौधे तैयार किए जा रहे है जो जल्दी तैयार हो जाते है। कलेक्टर सिन्हा ने विभागीय अधिकारी को अन्य स्थानों में रेशम केन्द्र बनाने के निर्देश दिए। जिससे वृक्षारोपण के साथ लोगों को रोजगार मिल सके। कलेक्टर सिन्हा तहसील कार्यालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चपले भी पहुंचे। उन्होंने तहसील केन्द्र में तहसीलदार, नायब तहसीलदार कोर्ट के प्रकरणों की जानकारी लेते हुए प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। इसी तरह कलेक्टर सिन्हा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चपले पहुंचे यहां उन्होंने प्रतिदिन ओपीडी संख्या, पदस्थ डॉक्टर एवं डिलीवरी की संख्या जानकारी ली।

छत्तीसगढ़ में खुशहाली की छटा बिखेर दी है सीएम बघेल ने : रत्नावली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छग शासन सदस्य एवं महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव रत्नावली कौशल ने नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल से सौजन्य भेंटकर भूपेश बघेल सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने वेणुगोपाल को बताया कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं उनके मंत्रियों ने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का परचम लहरा दिया है।

पूरे प्रदेश में चारों ओर सिर्फ कांग्रेस की ही गूंज सुनाई दे रही है। आरंभ में रत्नावली कौशल ने वेणुगोपाल को तिरंगा गमछा पहनाकर उनका स्वागत किया। रत्नावली कौशल इन दिनों नई दिल्ली के दौरे पर हैं। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यालय में केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की और छत्तीसगढ़ के सियासी हालातों पर उनसे विस्तृत चर्चा की। हिन्द सेना महिला ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष रत्नावली कौशल ने वेणुगोपाल को बताया की भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री के रूप में जब से छत्तीसगढ़ की बागडोर सम्हाली है, तबसे इस राज्य में कांग्रेस का जनाधार बड़ी ही तेजी से मजबूत होता जा रहा है। प्रदेश की राजनीति से भाजपा को भूपेश बघेल इस कदर बेदखल कर दिया है कि उसकी सत्ता में वापसी के आसार दूर दूर तक भी नजर नहीं आ रहे हैं।

रत्नावली ने प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव वेणुगोपाल को बताया कि मुख्यमंत्री बघेल ने छत्तीसगढ़ में अनेक महत्वाकांक्षी जनहितैषी योजनाएं आरंभ कर राज्य को प्रगति पथ पर तेजी से अग्रसर किया है, लोगों के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन ला दिया है। गरीबों, मजदूरों, महिलाओं, दबे कुचले लोगों, आदिवासियों, अनुसूचित जाति व पिछड़े वर्गों के लोगों, महिलाओं को आजीविका के साधन और रोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। किसानों को पर्याप्त सिंचाई सुविधा,उन्नत खाद बीज व कृषि उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। किसानों को उनकी कृषि उपजों का भूपेश बघेल सरकार सम्मानजनक समर्थन मूल्य प्रदान कर रही है।

आज छत्तीसगढ़ के किसान अन्य राज्यों के किसानों की तुलना में बेहतर खुशहाल जीवन जी रहे हैं। राज्य के किसानों के कृषि ऋण माफ कर दिए गए हैं। फसलों की सिंचाई के लिए किसानों को बहुत ही रियायती दर पर चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। आम उपभोक्ताओं को भी बिजली बिल हाफ योजना के तहत खपत से आधी बिजली का ही बिल भरने की सुविधा भूपेश बघेल सरकार ने दे रखी है। वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री रत्नावली कौशल ने केसी वेणुगोपाल को बताया कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के आने के बाद किसानों की आत्महत्या दर शून्य स्तर पर आ गई है। कृषि कर्ज न पटा पाने अथवा प्राकृतिक आपदा में फसल क्षतिग्रस्त हो जाने पर छत्तीसगढ़ के किसानों को अब आत्मघाती कदम उठाने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ता। क्योंकि किसानों की सारी चिंताओं को भूपेश बघेल सरकार ने अपने सिर पर ले लिया है। रत्नावली कौशल ने रायपुर में संपन्न कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में महिलाओं खासकर अनुसूचित जाति जनजाति व पिछड़े वर्गों की महिलाओं को राजनीति में पचास प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले को ऐतिहासिक निरुपित करते हुए इस फैसले का स्वागत किया। सुश्री कौशल ने श्री वेणुगोपाल से आग्रह किया कि इस फैसले के अनुसार उन्हें पार्टी में राष्ट्रीय स्तर का पद दिलाने का आग्रह किया। रत्नावली ने कहा कि वे हर दृष्टि से संगठन में राष्ट्रीय पद की हकदार हैं और उन्हें ऐसा पद मिलने पर छग के अजा अजजा बहुल क्षेत्रों में कांग्रेस को बड़ा लाभ मिलेगा।

खास-खबर

अवैध रेत उत्खनन करने वाले वाहनों पर कार्यवाही

दंतेवाड़ा (ए)। जिले में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन पर प्रशासन लगातार कार्यवाही कर रही है। जिसके तहत तहसीलदार बारसूर के द्वारा अवैध रूप से रेत उत्खनन कर परिवहन करने वाले एक टीप्पर (टाटा) वाहन चालक के खिलाफ कार्यवाही की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अवैध रेत परिवहन करते पाये जाने पर ग्राम छिंदनार प.ह.न. 03 रा.नि.म. बारसूर तहसील स्थित इंद्रावती नदी से रेत उत्खनन कर अवैध परिवहन में लगे वाहन छोटा टीप्पर वाहन नम्बर सीजी 18 एन. 2640 वाहन चालक गोलू यादव को गुमड़ा से जब्त करते हुए अग्रिम कार्यवाही की गई।

पिटाई से घायल बुजुर्ग ने अस्पताल में दम तोड़ दिया, आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज

राजनांदगांव (ए)। गैंदाटोला इलाके के ग्राम लुलीकसा में पिटाई से घायल बुजुर्ग ने हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इसके बाद पुलिस ने बुजुर्ग से मारपीट करने वाले आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। गैंदाटोला पुलिस ने बताया कि 13 मार्च को आरोपी कुंदन सिदार ने 66 वर्षीय नयलुराम से विवाद करते हुए उससे मारपीट की थी। आरोपी ने शराब के नशे में नयलुराम के सीने, पेट और सिर के हिस्से में मुक्के से जमकर वार किया था। गंभीर रूप से घायल नयलुराम को मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था, जहां उसने 20 मार्च को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी कुंदन सिदार के खिलाफ धारा 302 के तहत हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

ट्रेलर की चपेट में आकर बाइक सवार की हुई मौत

बिश्रामपुर (ए)। अंबिकापुर बनारस मार्ग पर मंगलवार को सड़क हादसे में अज्ञात ट्रेलर वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे में राजकुमार राजवाड़े 23 वर्ष निवासी द्वारिका नगर की मौत हो गई। सूचना पर लटोरी पुलिस ने मौके पर पहुंच शव पंचनामा पीएम के बाद शव परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने बताया कि द्वारिका नगर निवासी राजकुमार राजवाड़े और मन्नू सिंह अपनी अपनी बाइक पर सीमेंट लेने लटोरी आए थे। बाइक पर सीमेंट लोड कर घर के लिए निकले थे कि बनारस जा रहे तेज रफ्तार की ट्रेलर वाहन ने अनुज नगर के पास राजकुमार को सामने से अपनी चपेट में ले लिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची लटोरी पुलिस ने शव पंचनामा और पीएम के बाद मामले में अज्ञात ट्रेलर वाहन के खिलाफधारा 304 ए का केस दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

रेलवे स्टेशन, टैक्सी स्टैंड से चलने वाले यात्री वाहनों को नोटिस जारी

गौरेला पेंड्रा मरवाही (ए)। जिला परिवहन अधिकारी ने यातायात नियमों के अनुरूप नही पाए जाने पर बुधवार को रेलवे स्टेशन, टैक्सी स्टैंड से चलने वाले यात्री वाहनो को नोटिस जारी किया। सभी यात्री वाहनो की चेकिंग की गयी जिसमें अधिकतर वाहनो में फ्टिनेस प्रमाण पत्र, टैक्सी पर्मिट प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज नहीं पाए गए। वाहन स्वामियों को दस दिवस के भीतर टैक्सी पर्मिट, फिटनेस सहित अन्य दस्तावेज दुरुस्त करवाने के निर्देश दिए गए। साथ ही भविष्य में बिना टैक्सी पर्मिट, फिटनेस के वाहन पाए जाने पर चलानी करवाही करने की चेतावनी दी गयी। मौके पर बीस वाहन बिना परमिट फिटनेस के संचालित पाए गये। वाहन चेकिंग की कार्रवाई में जिला परिवहन अधिकारी विवेक सिन्हा सहित हीरालाल ध्रुव, नगर सैनिक दुर्गेश कुमार एवं रामकुमार ठाकुर शामिल थे।

जमीन बेचने के नाम पर 27 लाख की ठगी

प्रॉपर्टी डीलर से किया सौदा, एग्रीमेंट कर वसूल लिए पैसे फिर नहीं कराई रजिस्ट्री, केस दर्ज

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में जमीन बेचने का सौदा कर प्रॉपर्टी डीलर से 27 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वाले व्यवसायी के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। आरोपी ने एग्रीमेंट किया और पैसे वसूल लिए। लेकिन, जब जमीन की रजिस्ट्री कराने की बारी आई, तब वह मुकर गया। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के अनुसार देवरीखुर्द निवासी चंद्रशेखर सिंह प्रॉपर्टी डीलर है। करीब एक साल पहले उसने लिंगियाडीह में रहने वाले व्यवसायी घनश्याम देवांगन से उसकी जमीन खरीदने के लिए सौदा तय किया था। इससे पहले प्रॉपर्टी डीलर ने अपने पार्टनर नीरज श्रीवास को जमीन देखने के लिए भेजा। जमीन पसंद आने पर सौदा तय कर लिया और एग्रीमेंट कर 27 लाख रुपए दे दिए।

एक करोड़ 10 लाख में सौदा

प्रॉपर्टी डीलर ने पुलिस को बताया कि उसने पूरी जमीन का एक करोड़ 10 लाख रुपए में सौदा तय किया था। इसके लिए उन्होंने एक लाख रुपए एडवांस भी दे दिए। इस बीच एक महीने के भीतर हीडीलर ने व्यवसायी को 27 लाख रुपए का भुगतान भी कर दिया। लेकिन, जब जमीन की रजिस्ट्री कराने की बारी आई, तो व्यवसायी टालमटोल करने लगा। एक साल बीतने के बाद भी जमीन की रजिस्ट्री नहीं होने पर प्रॉपर्टी डीलर ने मामले की शिकायत सरकंडा थाने में की। इस पर पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कर इसकी जांच शुरू कर दी है।

युवती से सरेराह छेड़छाड़ के मुल्जिम को 1 बरस की जेल

रायगढ़ (ए)। बिलासपुर से घर लौट रही अनुसूचित जनजाति की एक युवती पर ढाबे के सामने अश्लील फब्तियां कसते हुए छेड़छाड़ और हिंसक झड़प का आरोप प्रमाणित होने पर विशेष न्यायालय ने मनचले युवक को 1 बरस की सजा सुनाई। साथ ही उसे 700 रूपये के अर्थदंड से दंडित भी किया है।

न्यायालय सूत्रों के अनुसार सारंगढ़ थानांतर्गत ग्राम छिन्द निवासी लोकेन्द्र उर्फ कृष्णा साहू पिता पीलाराम साहू 23 वर्ष विगत 19 दिसंबर 2019 को अपने मामा घर गया था। देर रात लगभग 11 बजे वह अपने दो अन्य दोस्तों के साथ बाइक में घुम रहा था। वहीं आयुर्वेद में काम करने वाली अनुसूचित जनजाति की एक युवती अपने एक सीनियर के साथ बिलासपुर से मीटिंग के बाद बस से उतरी और पैदल अपने गांव जा रही थी। इस दौरान साहू ढाबे के सामने अपने दोस्तों के साथ बाईक लेकर खड़ा लोकेंद्र अश्लील कमेंट्स करते हुए छेड़छाड़ करने लगा। युवती देर रात होने के कारण चुपचाप बिना किसी प्रतिकार के पैदल जल्दी जाने लगी तो आरोपी उसका हाथ बाल खींचते हुए मारपीट भी की। युवती की आबरू को खतरे में देख उसके सीनियर युवक ने बीच-बचाव किया तो आरोपी ने उसकी भी पिटाई कर दी। ऐसे में मौके की नजाकत को भांप सीनियर ने 112 नंबर डायल कर मदद मांगी तो कुछ देर में पुलिस को आते देख मुल्जिम नौ दो ग्यारह हो गए। पीड़िता द्वारा रिपोर्ट करने पर सारंगढ़ पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 354, (क) (1) (2) 354 (घ) (1) 323, 323 अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 की धारा 3 (1) (5) 3 (1)(डब्ल्यू) (1) के तहत आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध करते हुए केस डायरी कोर्ट में पेश किया। दूसरी तरफ विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटी जितेंद कुमार जैन ने घटना से जुड़े सभी पहलुओं और दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद आरोप सिद्ध होने पर लोकेंद्र साहू को 1 साल जेल में रहने की सजा के साथ 700 रुपए के अर्थदंड से भी दण्डित किया। अर्थदंड की राशि नहीं पटाने पर मुल्जिम को 3 माह जेल में अतिरिक्त रहना होगा। इस प्रकरण में शासन की तरफ से विशेष लोक अभियोजक अनूप कुमार साहू ने पैरवी की।

पीएम रिपोर्ट में मर्डर का खुलासा कारोबारी परिवार पर हत्या का केस दर्ज

रायपुर (ए)। शहर के नयापारा में सराफा कारोबारी परिवार की महिला की मौत की गुत्थी उलझ गई है। ससुराल वालों ने महिला की मौत को खुदकुशी बताया था जबकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। महिला की गला घोटकर हत्या की गई है। उसके बाद शव को लटका दिया गया। पुलिस ने पीएम रिपोर्ट के आधार पर हत्या का केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी है। इधर महिला के मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। बड़ी संख्या में महिला के मायके वाले बुधवार को गोलबाजार थाना पहुंचे। वहां हत्या की निष्पक्ष जांच की मांग की।

पुलिस ने बताया कि नयापारा में सराफा कारोबारी तरुण सोनी परिवार के साथ रहते हैं। 10 मार्च की रात 9 बजे पत्नी रिद्धी सोनी (30) को गंभीर हालत में निजी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी बाथरूम में फंदे पर लटकी हुई थी। उसने खुदकुशी की है। पुलिस ने शव का पीएम कराकर परिजनों को सौंप दिया। 13 दिन बाद डॉक्टर ने पुलिस को पीएम रिपोर्ट सौंपा है। उसमें खुलासा हुआ है कि महिला की गला घोटकर हत्या की गई। उसके बाद शव को लटकाया गया है। महिला के शरीर पर चोट के निशान हैं। पुलिस के अनुसार महिला के दो बच्चे हैं। घर पर सास-ससुर, जेठ-जेठानी और बच्चे रहते हैं। उनकी सराफा दुकान है।

शक है कि इसी में से किसी ने महिला की हत्या की है। हालांकि अब तक विवाद की वजह सामने नहीं आई है। पुलिस इसमें एक्सपर्ट की मदद ले रही है। ससुराल वालों को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। पुलिस बच्चों का बयान लेने की तैयारी कर रही है। वहीं से पुलिस को कुछ क्लू मिल सकता है।

बाइक चोरी का खुलासा

जिस बाइक की बाजार में रिसेल वैल्यू अधिक वही चुराता था चोर, 6 खरीदार गिरफ्तार

जांजगीर (ए)। रसेड़ा का चोर जुआ के लिए पैसा नहीं मिलने पर बाइक चुराने लगा। इस दौरान वह सिर्फ एचएफ डिलक्स बाइक की चोरी करता था, जिसकी रिसेल वैल्यू अधिक रहती है, जिसके कारण लोग आसानी से बाइक को खरीद भी लेते हैं। इस गाड़ी की माइलेज भी अधिक होती है। चोर ने बारह बाइक चुराई थी, इसमें दस तो सिर्फ एचएफ डिलक्स ही थी। चोर ने छह अलग-अलग लोगों के पास चोरी की गाड़ी बेची थी।

पुलिस ने चोर और छह खरीदार सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार कर 12 बाइक जब्त की है। एएसपी अनिल सोनी ने बताया कि जांजगीर की अंग्रेजी शराब दुकान के पास युवक चोरी की बाइक बेचने विजयेश साहू (35 साल) ग्राहक की तलाश कर रहा था। इसकी सूचना पुलिस को मिलने पर उसे हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह जुआ खेलने का आदी है। इसके लिए पैसा

आरोपी ने वर्ष माह जनवरी 2017 में पत्थलगांव से एक पैशन-प्रो बाइक, माह फरवरी 2017-18 में रायगढ़ रेल्वे स्टेशन के पास से एक एचएफ डिलक्स, मई जून 2018 में खरसिया से सुपर स्पलेंडर, जुलाई-अगस्त 2018 में मुड़पार कोरबा से एचएफडिलक्स, साल 2018 में पुसौर, मालखरौदा, बिल्हा जिला बिलासपुर से एक-एक एचएफडिलक्स, वर्ष 2019 में दगौरी बिल्हा से 1, सिमगा जिला बलौदाबाजार से 1, तखतपुर जिला बिलासपुर से 1, भाठापारा जिला बलौदाबाजार से दो बाइक चुराई थी। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। इसके साथ ही पुलिस गिरोह में अन्य लोगों की शामिल होने की अंदेशा भी लगा रही है।

रेलवे स्टेशन से एक मोबाइल चोर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर रेलवे स्टेशन से एक मोबाइल चोर गिरफ्तार हुआ है। रेलवे पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ थाने में अपराध दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया।

दरअसल, रेलवे सुरक्षा बल मंडल सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार गुप्ता व रेल पुलिस अधीक्षक जेआर ठाकुर के मार्गदर्शन में मंडल टास्क टीम द्वारा जीआरपी से समन्वय कर लगातार यात्री सामानों की चोरी के आरोपियों की पतासाजी की जा रही है। चोरी में संलिप्त अपराधियों पर सीसीटीवी के माध्यम से नजर रखी जा रही है।

इसी दौरान 22 मार्च को दोपहर 12 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति रायपुर रेलवे स्टेशन के पास चोरी का मोबाइल बेचने के फिराक में ग्राहक की तलाश में घूम रहा है। इस सूचना पर रेल पुलिस के जवानों ने घेरा बंदी कर पकड़ा। पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना नाम जैनुल यसदानी बीएसयूपी कालोनी भाटागांव निवासी बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक मोबाइल मिला, जिसे उसने 4 महीने पहले इंटर सिटी एक्सप्रेस के किसी यात्री से चोरी करना स्वीकार किया। इसके बाद आरोपी के कब्जे से एक वीवो कंपनी का मोबाइल जब्त की और आरोपी के खिलाफ जीआरपी थाना रायपुर में अपराध दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर करें चालानी कार्यवाही

सुकमा (ए)। कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। बैठक में अत्यधिक दुर्घटना जन्य वाले क्षेत्रों व सड़कों का चिन्हांकन, वाहनों के स्पीड को नियंत्रित करने के लिए मुख्य मार्ग को जोड़ने वाली सड़कों पर स्पीड ब्रेकर का निर्माण करने, विभिन्न मार्गों व मुख्य स्थानों पर सुरक्षा के किए गए उपायों की समीक्षा कलेक्टर ने की। उन्होंने विपरित दिशा में वाहन चालाने, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट के वाहन चलाने सहित अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्यवाही और यातायात नियमों का पालन करवाने के लिए जन जागरूकता का आयोजन कराने कहा। बैठक में बाईक, स्कूटी इत्यादि से स्कूल पहुंचने वाले 12-17 आयु वर्ग के बच्चों और उनके पालकों को यातायात नियमों का पालन कराने संबंधी जानकारी, सड़कों, फुटपाथ तथा पार्किंग स्थलों में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही, सड़कों पर वाहन चालन को प्रभावित करने वाले मवेशियों को हटाने के संबंध में निर्देश दिए गए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग को सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ितों को एम्बुलेंस समेत प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में तत्काल बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने कहा। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डीएन कश्यप, डीएसपी ट्रेफिक अमित देवांगन, जिला परिवहन अधिकारी शिवभगत रावटे, सहित लोक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग, नगरीय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

बिजली पोल के स्टे तार में आया करेंट, संपर्क में आने से छात्रा की मौत

भिलाई-3 के विश्व बैंक कालोनी में घटना से पसरा शोक, मोहल्ले के लोगों ने थाने पहुंचकर जताया आक्रोश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बिजली पोल को सपोर्ट देने वाले स्टे तार में अचानक करेंट फैल गया। खेल खेल में एक छात्रा स्टे तार के संपर्क में आ गई। इसके साथ ही उसे जबरदस्त करेंट लगा और मौके पर ही बुरी तरह झुलसने से उसकी मौत हो गई। इस घटना से भिलाई-3 के विश्व बैंक कालोनी में शोक छा गया। वहीं मोहल्ले के लोगों ने भिलाई-3 थाने पहुंचकर आक्रोश जताते हुए बिजली महकमे की लापरवाही पर कार्रवाई की मांग की। भिलाई-3 में विश्व बैंक कालोनी के सेक्टर-1 निवासी मिंटू शील की 15 वर्षिया पुत्री वनिता शील की आज करेंट लगने से मौत हो गई। इस साल वनिता कक्षा दसवीं की परीक्षा दे रही थी। आज वह अपने घर के पास दूसरे बच्चों के साथ खेल रही थी। तभी उसने

बिजली के पोल को सपोर्ट देने लगाए गए स्टे तार को छू दिया। स्टे तार में करेंट प्रवाहित था। नतीजतन वनिता शील स्टे तार से चिपककर तड़पने लगी। जब तक परिवार के लोग बचाव की कोशिश करते, उससे पहले ही बुरी तरह से झुलसकर उसकी मौत हो गई।

इस घटना के बाद बंगाली समाज के लोगों ने मोहल्लेवासियों के साथ भिलाई-3 थाने पहुंचकर अपनी नाराजगी जाहिर की। लोगों का कहना था कि स्टे तार में करेंट प्रवाहित होना बिजली विभाग की लापरवाही को उजागर करता है। किसी तहत आक्रोशित लोगों को शांत कराने के बाद तहसीलदार रवि विश्वकर्मा और भिलाई-3 टीआई मनीष शर्मा घटना स्थल पहुंचे। यहां पर देखा गया कि सड़क किनारे लगे पेड़ो का संपर्क बिजली पोल से गुजरने वाले तार से बना हुआ है। बिजली कंपनी के अधिकारियों को निर्देश देकर तार को छूने वाले पेड़ के डंगालों को काटकर अलग किया गया। वहीं मृतका वनिता शील के शव को मरच्यूरी में रखवा दिया गया है। गुरुवार को पोस्टमार्टम उपरांत अंतिम संस्कार किया जाएगा।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950